सूविचार

अक्सर जीतने में मजा तब आता है, जब लोग आपके हारने का इंतजार कर रहे हो।

दैनिक

# इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com

www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 05 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, मंगलवार 01 अप्रैल 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

### ‘राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा’ नाटक का मंचन

# लोकमाता अहिल्या बाई के जनकल्याण और सुशासन के कार्य प्रेरणादायक

**भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई ने 300 वर्ष पहले जनकल्याण के जो काम किये और सभी संकटों को पार कर सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए हैं, वे आज हम सब के लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लोकमाता देवी अहिल्या की नगरी खरगोन जिले के महेश्वर में विश्व मांगल्य सभा द्वारा 'राष्ट्रसमर्था देवी अहिल्याबाई की पुण्य गाथा' नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुषी जैन द्वारा देवी अहिल्या बाई की जीवनगाथा पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई ने होल्कर साम्राज्य के साथ ही सम्पूर्ण देश में जन-कल्याण के कार्य किए हैं। मुगल काल में सनातन संस्कृति को नष्ट करने का काम किया गया, लेकिन नर्मदा पुत्री देवी अहिल्याबाई ने सनातन संस्कृति की रक्षा का काम किया। उन्होंने सोमनाथ, काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिरों की पुनर्स्थापना को बनाने का कार्य किया है। देवी अहिल्या ने देश भर में नदी घाटों का निर्माण कराया, गरीबों की दिल खोलकर मदद की, रोजगार के लिए महेश्वरी साड़ियों का निर्माण कराया, व्यापार को प्रोत्साहन दिया, किसानों की मदद की और न्याय एवं सुशासन के अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इतिहास माता अहिल्या के विविध प्रसंगों से भरा हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता अहिल्या बाई के कार्यों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने पहला दशहरा महेश्वर में मनाया और केबिनेट की बैठक भी महेश्वर में आयोजित की है। प्रदेश की सशस्त्र वाहिनी क्रमांक 01 को अहिल्या माता का नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महेश्वर में देवी अहिल्या की जीवनगाथा पर नाटक मंचन के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अतिथियों के साथ सम्पूर्ण नाटक का मंचन देखा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300 जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर में नाटक का मंचन किया जा रहा है। यह नाटक अहिल्याबाई के कार्यों से आमजन को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देगा। देवी अहिल्या ने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया है।

हमारे देश में देवी अहिल्या, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, रानी चैनम्मा जैसी नारी शक्ति ने शासक के रूप में इस धरती का संचालन किया है। यह हमारे लिए गर्व और प्रेरणा का आदर्श है। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, मध्यप्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, होल्कर स्टेट के युवराज श्री यशवंत राव होल्कर, विश्व मांगल्य सभा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा खंडेलवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. वृषाली जोशी, विश्व मांगल्य सभा मध्यप्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती सूरज डामोर, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक श्री राजकुमार मेव, श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्री सचिन बिरला सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

## जल संवर्धन के साथ उसका संरक्षण आज की महती आवश्यकता

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। जनता को साथ लेकर प्रदेश के चहुँमुखी विकास की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट निर्माण में भी प्रदेश की जनता को जोड़ते हुए उनसे सुझाव आमंत्रित किये गये। प्रदेश में सभी प्रमुख त्यौहार भी प्रदेशवासियों को साथ लेकर मनाने की शुरूआत की गई है। अब 30 मार्च से प्रारंभ हुए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान में भी जन-भागीदारी को प्राथमिकता के साथ जोड़ा गया है। जल संकट को दूर करने बारिश के जल को अधिक से अधिक संग्रहण करने 30 मार्च से प्रांत व्यापी 'जल गंगा संवर्धन'' अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन'' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से किया गया। इसमें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान ग्रीष्म ॠतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान प्रति दिन छोटी-बड़ी जल संरचनाएं निर्मित कर लोकार्पित की जाएंगी। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश के भू-जल स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से मानवता ही नहीं समूची प्रकृति का जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बन चुका है। राज्य सरकार भी %खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में% के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### हैदराबाद यूनिवर्सिटी में जारी है छात्रों का विरोध प्रदर्शन, जी किशन रेड्डी ने सीधे राहुल गांधी से पूछ लिया सवाल

**नई दिल्ली।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि सरकार ने विश्वविद्यालय की 400 एकड़ जमीन की नीलामी कर दी है। एचसीयू भूमि विवाद पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कांग्रेस सरकार जमीन को रियल एस्टेट कंपनियों को नीलाम करना चाहती है जिससे इकोसिस्टम बिगड़ जाएगा। रात में पेड़ों की कटाई हो रही है। केंद्रीय मंत्री सवाल करते हुए कहा कि राहुल गांधी केरल में खनन रोकने की वकालत करते हैं और दिल्ली में बड़े-बड़े भाषण देते हैं, तो उन्हें सोचना चाहिए कि उनकी सरकार तेलंगाना में क्या कर रही है? उन्होंने कहा कि इसी कारण (हैदराबाद विश्वविद्यालय के) छात्र विरोध कर रहे हैं और राज्य सरकार उन पर बल प्रयोग कर रही है, जो गलत है। मैंने इस नीलामी और पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए सीएम को पत्र लिखा है। भाजपा नेता पैड़ी राकेश रेड्डी ने कहा कि 400 एकड़ जमीन आने वाली पीढ़ी के लिए, वहां पार्क के लिए और सरकार की जरूरतों के लिए रखी गई थी। 20 साल तक अफसरों और वकीलों ने छात्रों के लिए, आने वाली पीढ़ी के लिए केस लड़ा। लेकिन यह जमीन रेवंत रेड्डी की प्रतिक्रिया के लिए नहीं थी। इसके लिए छात्रों का आंदोलन चल रहा है। भाजपा उनके साथ खड़ी है। तेलंगाना की जनता उनके साथ खड़ी है। जब तक सरकार अपनी कार्रवाई वापस नहीं ले लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

### सरकार का बड़ा फैसला, इस राज्य में 1 अप्रैल को रहेगी ईद-उल-फितर की छुट्टी

**नई दिल्ली।** आंध्र प्रदेश सरकार ने एक आधिकारिक आदेश में 31 मार्च को ईद-उल-फितर के जश्न के बाद 1 अप्रैल को वैकल्पिक अवकाश घोषित किया है। इस संबंध में मुख्य सचिव के विजयानंद ने सोमवार को सरकारी आदेश संख्या 637 के माध्यम से घोषणा की। राज्य वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर, मुख्य सचिव ने 1 अप्रैल, मंगलवार को वैकल्पिक अवकाश घोषित किया है, क्योंकि यह ईद-उल-फितर (रमजान) त्योहार के अगले दिन पड़ता है। यह अवकाश ईद-उल-फितर के जश्न को समायोजित करने के राज्य के प्रयासों का हिस्सा है, जो रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक है। ईद-उल-फितर का जश्न पूरे देश में खुशी और एकजुटता के साथ शुरू हो गया है क्योंकि परिवार और समुदाय रमजान के अंत को चिह्नित करने के लिए एक साथ आते हैं। दिल से गले मिलने, ईद की बधाई देने और मिठाइयों और पारंपरिक व्यंजनों को साझा करने के साथ, यह दिन एकता की संक्रामक भावना के साथ शुरू हुआ। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहरों में लोग नये कपड़े पहने और दिल खोलकर मुस्कुराते नजर आये।

### यह मुसलमानों के खिलाफ नफरत का नतीजा है, बीड मस्जिद विस्फोट पर बोले सपा विधायक अबू आज़मी

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के बीड में एक मस्जिद में हुए विस्फोट के बाद विपक्षी नेताओं ने महाराष्ट्र सरकार पर उंगली उठाई है। समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आज़मी ने सोमवार को कहा कि यह विस्फोट मुसलमानों के खिलाफ मंत्रियों और मुख्यमंत्री द्वारा कही गई बातों का नतीजा है, जिससे आम आदमी के मन में धर्म के प्रति नफरत पैदा हुई है। एएनआई से बात करते हुए सपा विधायक ने कहा, 'जब मंत्री और यहां तक ??कि मुख्यमंत्री भी हर दिन मुसलमानों के खिलाफ बातें करते हैं, तो आम आदमी में मुसलमानों के प्रति नफरत पैदा होगी और यह उसी का नतीजा है।' इसके अलावा उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई मुसलमान ऐसा करता तो बहुत जल्दी बुलडोजर चला दिया जाता।

## अपटतीय खनन की अनुमति देने वाली निविदा रद्द करने की मांग, राहुल गांधी ने मोदी को लिखी चिट्ठी

**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के तट पर अपतटीय खनन की अनुमति देने वाली निविदाओं को रद्द करने की मांग की है। समुद्री जीवन के लिए खतरे की ओर इशारा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके प्रभाव का गहन आकलन किए बिना निजी खिलाड़ियों के लिए अपतटीय खनन ब्लॉक खोलना चिंताजनक है। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि मैं केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के तटों पर अपतटीय खनन की अनुमति देने के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी निंदा करता हूं। गांधी ने कहा कि तटीय समुदाय इस बात का विरोध कर रहे हैं कि किस तरह से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन किए बिना अपतटीय खनन के लिए निविदाएं जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि लाखों मछुआरों ने अपनी आजीविका और जीवन शैली पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की है।

### कौन सा धर्म गंदा है? ममता बनर्जी के बयान पर भड़की बीजेपी

## सुवेंदु अधिकारी ने सुनाई खरी-खरी

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल भाजपा ने सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गंदा धर्म वाले बयान पर तीखा हमला किया और उन पर ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान भड़काऊ भाषण देने का आरोप लगाया। हाल ही में लंदन की अपनी यात्रा के लिए सुर्खियों में रहीं ममता बनर्जी ने कोलकाता में ईद की नमाज के दौरान यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि वह गंदा धर्म का पालन नहीं करती हैं। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने बनर्जी की टिप्पणी पर सवाल उठाते हुए उन पर कोलकाता में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा, कौन सा धर्म गंदा है सुश्री ममता बनर्जी ? रेड रोड पर मुस्लिम समुदाय को अपनी लगभग समझ से परे उर्दू बोली से खुश करते हुए आपने यह बयान दिया कि आप गंदे धर्म या गंदे धर्म का पालन नहीं करती हैं। आप विशेष रूप से किस धर्म का उल्लेख कर रही थीं ? सनातन हिंदू धर्म ? रेड रोड पर मुस्लिम समुदाय को अपनी लगभग समझ से परे उर्दू बोली से खुश करते हुए आपने बयान दिया कि आप गंदा धर्म या गंदे धर्म का पालन नहीं करते हैं। आप किस धर्म की बात कर रहे थे ? सनातन हिंदू धर्म ? ईद-उल-फितर के मौके पर रेड रोड पर आपने किस तरह का भड़काऊ भाषण दिया ? आपने ईद शब्द को दोहराने से ज़्यादा दंगा और दंगे जैसे शब्द बोले।

उन्होंने सवाल किया कि क्या यह धार्मिक आयोजन था या राजनीतिक कार्यक्रम ? आप जानबूझकर समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने के इरादे से नफरत क्यों फैला रहे थे ? ममता बनर्जी, आप ही हैं जो धर्म को हथियार बनाती हैं।

## नई शिक्षा नीति को लेकर सोनिया गांधी का केंद्र पर हमला, कहा- शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त हो

**नई दिल्ली।** तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति में हिंदी थोपने के लेकर छिड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई शिक्षा नीति का मुख्य एजेंडा सत्ता का केंद्रीकरण व्यावसायीकरण, निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। सोनिया गांधी ने कहा कि ये तीन सी आज भारतीय शिक्षा को बिगाड़ रहे हैं। एक अखबार में प्रकाशित लेख 'द 3सी दैट हॉन्ट इंडियन एजुकेशन टुडे' में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में वह केवल तीन मुख्य एजेंडों के कार्यान्वयन को लेकर चिंतित है।

## इसे तानाशाही कहूं या फिर आपातकाल, ईदगाह जा रहे अखिलेश यादव काफिला रोकने पर भड़के

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को यूपी पुलिस पर ईद के मौके पर लखनऊ में उनके काफिले को रोकने का आरोप लगाया और ऐसी बैरिकेडिंग की ज़रूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई के लिए कोई कारण नहीं बताया और योगी सरकार की आलोचना करते हुए इसे तानाशाही और आपातकाल की कार्रवाई करार दिया। उन्होंने कहा, ईद के मौके पर इतनी बैरिकेडिंग क्यों है ? पुलिस ने मुझे रोका और जब मैंने उनसे पूछा कि वे मुझे क्यों रोक रहे हैं तो उनके पास कोई जवाब नहीं था।

सपा प्रमुख ने आगे कहा कि क्या मैं इसे तानाशाही कहूं या फिर आपातकाल कहूं। मैंने कभी ऐसी बैरिकेडिंग नहीं देखी जो लोगों को उनके त्योहार मनाने से रोकने के लिए की गई हो। भाजपा इस देश को संविधान के जरिए नहीं चला रही है। ईद और रामनवमी के लिए यूपी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। संभल समेत संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, छतों पर निगरानी की जा रही है और बाजारों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर नियमित पैदल गश्त की जा रही है। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रमुख स्थानों पर बम निरोधक दस्ते की जांच, ड्रोन निगरानी और सीसीटीवी निगरानी सहित तोड़फोड़ विरोधी उपाय भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

## औरंगजेब का मकबरा संरक्षित स्मारक, लेकिन उसके महिमामंडन की अनुमति नहीं देंगे, फडणवीस की दो टूक

**नई दिल्ली।** औरंगजेब विवाद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोग मुगल बादशाह औरंगजेब को पसंद करें या न करें, उनकी कब्र संरक्षित स्मारक है, लेकिन उनका महिमामंडन नहीं होने दिया जाएगा। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि कानून के दायरे से बाहर संरचनाओं को हटा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम औरंगजेब को पसंद करें या न करें, उनकी कब्र संरक्षित स्मारक है। हम किसी को भी उनका महिमामंडन नहीं करने देंगे।आपको बता दें कि दक्षिणपंथी संगठन छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद कस्बे में 17वीं सदी के मुगल शासक के मकबरे को हटाने की मांग कर रहे हैं।

इस महीने की शुरुआत में नागपुर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा कब्र को हटाने की मांग को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान पवित्र शिलालेखों वाली चादर को जलाने की अफवाहों के कारण हिंसा भड़क उठी थी। वहीं, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र को लेकर कथित तौर पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने के प्रयासों की रविवार को निंदा की और कहा कि इतिहास को जाति और धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने लोगों से इतिहास से जुड़ी जानकारियों के लिए व्हाट्सएेप पर आने वाले संदेशों पर निर्भर न रहने को कहा। ठाकरे ने यहां शिवाजी पार्क में वार्षिक गुड़ी पड़वा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मुगल शासक ‘‘एक विचार को मारना चाहते थे और वह है शिवाजी’ लेकिन असफल रहे। उन्होंने कहा कि बीजापुर के सेनापति अफजल खान को प्रतापगढ़ किले के पास दफनाया गया था और यह छत्रपति शिवाजी महाराज की अनुमति के बिना संभव नहीं था।

## राजनीति

### वक्फ बिल पर बोले किरेन रिजिजू, भारत में अल्पसंख्यक सबसे सुरक्षित

# मुस्लिमों को गुमराह कर रहा है विपक्ष

**नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर विपक्षी सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि इसका विरोध करने वाले लोग शक्तिशाली लोग हैं, जबकि उन्होंने उन पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि विधेयक की आलोचना करना हर किसी का अधिकार है, लेकिन यह ठोस होना चाहिए।**

उन्होंने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि ये वक्फ संशोधन विधेयक असंवैधानिक है। वक्फ नियम आज़ादी से पहले से ही अस्तित्व में हैं। ये सारे प्रावधान पहले से ही अस्तित्व में हैं। अगर वक्फ अधिनियम आज़ादी से पहले से ही अस्तित्व में है, तो फिर ये अवैध कैसे हो सकता है? किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि भोले-भाले मुसलमानों को यह कहकर गुमराह किया जा रहा है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति और अधिकार छीनने जा रही है। कुछ लोगों द्वारा फैलाई जा रही झूठी बातें हमारे समाज और राष्ट्र के लिए बहुत हानिकारक हैं। मैं सभी से अनुरोध करना चाहूंगा कि कृपया उन नेताओं को पहचानें जो झूठ बोल रहे हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने ष्ट के दौरान देश को गुमराह किया। मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत में अल्पसंख्यक सबसे सुरक्षित हैं और अल्पसंख्यकों को भारत में स्वतंत्रता के सर्वोत्तम अधिकार प्राप्त हैं केरल कैथोलिक बिशप्स काउंसिल (केसीबीसी) द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक को समर्थन देने और राज्य के सांसदों से भी ऐसा करने का अनुरोध करने के लिए भेजे गए पत्र के बारे में बोलते हुए, रिजिजू ने कहा कि धार्मिक आधार पर कई संगठन केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विधेयक का समर्थन कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि संशोधन विधेयक गरीब मुसलमानों, बच्चों और महिलाओं के हित में है।

## मुस्लिम समुदाय ने ईदगाह में ईद की नमाज अदा की

**दमोह।** शहर के फुटेरा तालाब सहित शहर भर की करीब विभिन्न मस्जिदो में नमाज अदा की गई. साथी जिले भर में भी शांतिपूर्ण तरीके नवाज अदा की गई. इस दौरान फुटेरा तालाब ईदगाह में साहिब हाफिज मुनव्वर रजा रब्बानी ने नवाज अदा कराई, इस दौरान सैयद कुतुब अली काजी शहर,सहित मुस्लिम समुदाय ने नवाज अदा की इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिस-प्रशासन मौजूद रहा । बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने पड़ी ईदगाह में नमाज एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारक दी।

## जीनियस प्लानेट स्कूल हुआ सर्व धर्म समभाव से सराबोर

**इटारसी।** रविवार से मां दुर्गा की उपासना नवरात्रि का पर्व गुड़ीपाड़वा, ईद और चेती चाँद आदि त्यौहार क़ो एकसाथ मनाया जा रहा है द्य इसी तारतम्य में शहर के प्रतिष्ठित सीबीएसई स्कूल जीनियस प्लानेट स्कूल के प्रांगण में बच्चों ने एक्टिविटी के माध्यम से सर्वधर्म समभाव दिवस मनाया और इन त्यौहार क़ो क्यों मनाया जाता है, इस बात की जानकारी दी गई द्य इस अवसर पर संस्था के संचालक जाफर सिद्दीकी और मनीता सिद्दीकी ने सभी बच्चों और शहर वासियों क़ो एक साथ होने वाले सभी पर्व पर बधाईया देते हुए कहा कि हर धर्म के तीज त्यौहार जीवन में खुशी लाते हैं द्य इन त्योहारों में हम खुश होते हैं और अपनों में खुशियाँ बांटते है द्य जीवन के तनाव भरे जीवन में खुशी के ये पल तनाव कम कर देते हैंद्य मनीता सिद्दीकी का कहा की स्कूल में इस तरह के सेलिब्रेशन बच्चों में अपने धर्म के साथ साथ अन्य धर्म के प्रति सम्मान पैदा करता है और बच्चों क़ो सभी धर्मों का बेसिक ज्ञान मिल जाता है द्य इस एक्टिविटी के लिए पेरेंट्स में बच्चे क़ो सुंदर सुंदर ड्रेसअप में तैयार करके भेजा और स्कूल के समस्त स्टाफ द्वारा इस एक्टिविटी क़ो बहुत ही शानदार तरीके के आयोजित किया गया था।

## जिला अधिवक्ता संघ के रामेश्वर झारिया तीसरी बार अध्यक्ष बने

। जिला अधिवक्ता संघ में अधिवक्तागणों ने भारी मतों से जीत हासिल की है जिसमें एड.रामेश्वर झारिया ने तीसरी बार अध्यक्ष पद की कमान संभाली है,एड.रजनीश रंजन उसराठे टिंगु ने दूसरी बार उपाध्यक्ष पद की कमान संभाली है,वहीं सचिव पद पर एड.नीलेश झा,सहसचिव पद पर एड. आदित्य पटैल,कोषाध्यक्ष पद पर एड.शुभांक पटेल,ग्रंथालय प्रभारी की कमान एड.अर्जुन भाण्डे ने संभाली है और महिला उपाध्यक्ष पद पर एड.सुमिता नामदेव ने जिला अधिवक्ता संघ मण्डला जिला एवं सत्र न्यायालय मण्डला की कमान संभाली है जिला एवं सत्र न्यायालय के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा अधिवक्ताओं को यह भरोसा दिलाया गया है, कि अधिवक्ताओं के सम्मान, अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे,संघ के विकास और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा तत्पर रहेंगे। समस्त विजयी प्रत्याशियों द्वारा अधिवक्ताओं का हृदय से समर्थन,विश्वास और सहयोग के लिए पुनः हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया है।

# ईदगाह पर अदा की गई ईद -उल- फितर की विशेष नमाज, सजदे में झुके हजारों सिर, देश में अमन -चैन और खुशहाली की मांगी दुआएं

### मुस्लिम समाज के लोगों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर वक्फ संशोधन बिल के लिए विरोध प्रदर्शन किया

**ओबेदुल्लागज संवाददाता (सुरेश केवट)।** हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिख समाज ने ईद के इस पवित्र त्योहार पर ईदगाह पर नवाज पढ़ने आए सभी मुस्लिम भाइयों ईद की मुबारकबाद दी

आपको बता दे की पाक रमजान माह के तीस दिनी रोजे की समाप्ति के बाद सोमवार को ईद-उल-फितर का मुकद्दस और रुहानी त्योहार हर्षोल्लास और पूरी पाकीजगी के साथ मनाया गया। निमीत समय पर औबेदुल्लागंज एवं आसपास के गांव से ईदगाहों पर लगभग 2000 मुसलमान भाइयों ने ईद की नमाज अदा की गई।

अमन-चैन, खुशहाली-तरक्की के लिए हजारों हाथ दुआ के लिए उठे। नमाज बाद गले मिलकर एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी गई। ईद को लेकर ओबेदुल्लागंज पुलिस एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों ने सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था की।

रमजान का सुहानी और रुहानी सफर की मंजिल है ईद-उल-फितर। मुसलमान भाइयों को इस मुकद्दस त्योहार का बेसब्री से इंतजार रहता है। जिस तरह आग में तपकर सोना कुंदन बन जाता है, उसी तरह एक माह के रोजे में भूखे-प्यासे रहकर रोजेदार अपने सारे गुनाह खुदा से माफ करा लेते हैं।

रमजान की आखिरी मंजिल होती है ईद की नमाज। पूरे तीस दिन के रोजे के बाद रविवार की शाम चांद दिख जाने के बाद सोमवार को ईद होने की घोषणा की गई। नवाज उपरांत ईद- उल- फितर के अवसर पर मुस्लिम कमेटी जामा मस्जिद के इमाम मोहम्मद नदीम, सदर गुड्डू भाई ट्रांसपोर्ट,सलीम बाबा, आमिर ममनून, राजा सिद्दीकी, सलीम भाई आदि मुस्लिम भाइयों का सुरजीत सिंह बिल्ले, गुरमीत सिंह दूल्हे भैया, हरदीप सिंह, मनजीत सिंह, जगजीत सिंह जीते भैया, हरभजन सिंह, परमपाल सिंह आदि लोगों ने मुस्लिम भाइयों को फूल माला पहना कर ईद की मुबारकबाद दी।

## वैश्य महासम्मेलन ने की आचार्यश्री विद्यासागर गो संवर्धन केंद्र में की गो वंश की पूजन

**बैरसिया।** जैन समाज बैरसिया द्वारा संचालित आचार्यश्री विद्यासागर गो संवर्धन केंद्र मे आज बैश्य महासम्मेलन ने गुड़ी पड़वा के अवसर पर गोशाला मे आश्रित गो वंश की पूजा की गई, इसी अवसर पर गो वंश को सवा मन गुड़ चना का भोग लगाया गया। ज्ञात हो कि इस वर्ष गुड़ी पड़वा एवं नवरात्रि प्रथम दिवस (एकम) को वेश्य दिवस भी होता है इस पर्व को बहान रैली एवं गो सेवा के रूप मे मनाने का निर्णय लिया है, इसी उपलक्ष में बैरसिया नगर मे स्थित गो शाला मे भी गौ रक्षा का संकल्प लेते हुए, सवा मन गुड़ चना का भोग गौवंश की पूजन कर भोग लगाया गया। वेश्य महासम्मेलन भोपाल जिला ग्रामीण के अध्यक्ष धीरज गट्ठानी जिला प्रभारी शुभाष जैन नगर अध्यक्ष जगदीश सारदा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र सोनी सचिव गोपाला माहेश्वरी युवा इकाई अध्यक्ष अमित सोनी संरक्षक श्री चौरसिया मिडिया प्रभारी नरेन्द्र जैन ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी, और लोगों से गौ सेवा और रक्षा हेतु संकल्प लेने प्रेरित किया जिसमे अनेक गौ भक्त उपस्थित रहे।

### अलीपुर में मुख्य नमाज ईदगाह पर अदा की गई

## ईद उल फितर पर मांगी अमन चैन की दुआ एक दूसरे को गले मिलकर दी ईद की बधाई

**आष्टा।** आष्टा में ईद का त्योहार बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया आष्टा के अलीपुर क्षेत्र में ईदगाह पर शहर काजी आरिफ फजले साहब ने ईद की नमाज अदा करवाई और देश के लिए अमन चैन की दुआएं मांगीं।सभी मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी और इस अवसर पर मिठाइयां बांटीं।

बता दें कि ईद उल फितर पर शहर में अलीपुर स्थित ईदगाह पर सुबह 7.30 बजे शहर आरिफ फजले साहब ने ईद की नमाज अदा कराई साथ ही सभी मस्जिदों में जिसमें प्रमुख रूप से पुराना बस स्टैंड मस्जिद, काजीपुरा, किला सहित अन्य मस्जिदों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई और सभी मुस्लिम भाइयों ने दुआ कर देश में अमन चैन की कामना की।

ईदगाह पर जैसे ही नमाज अदा की गई उसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी ईदगाह पर मुस्लिम भाइयों से ईद की बधाई देने बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि पहुंचे ईदगाह पर पूर्व नपा अध्यक्ष कैलाश परमार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह ठाकुर, विनीत सिंगी ,कृपाल सिंह आदि पहुंचे और शहर काजी आरिफ फजले साहब का स्वागत कर गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी इस दौरान एसडीओपी आकाश अमलकर ,थाना प्रभारी गिरीश दुबे सहित पुलिस बल प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

## उज्जैन में हर्षोल्लास के साथ मनाया ईद-उल-फितर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर दी मुबारकबाद

**उज्जैन।** देशभर के साथ-साथ उज्जैन में भी ईद-उल-फितर का पर्व सोमवार को पूरे उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया। सुबह ईदगाह में हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद शहर काजी खलीकुर्रहमान साहब ने विशेष दुआ कराई, जिसमें देश में शांति, अमन और भाईचारे की कामना की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह के अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई।

त्योहार के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने हर्षोल्लास के साथ जश्न मनाया। नमाज के बाद सीएसपी सहित प्रशासनिक अधिकारी ईदगाह पहुंचे और लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने शहर में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। शहर में ईद का उत्सव सौहार्द और उमंग के साथ देखा गया। आपसी भाईचारा और मेलजोल इस पर्व की खासियत रही।

रमजान के पूरे महीने तैयारी के बाद लोग इस खास दिन को धूमधाम से मनाते हैं। सुबह नमाज के बाद लोग एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देते हैं। घरों में स्वादिष्ट पकवान बनाए गए, और बच्चे, महिलाएं व पुरुष सभी नए कपड़ों में नजर आए। यह दिन मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद खास होता है, जिसे वे पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं।

## सांसद राहुल सिंह लोधी ने मन की बात के 120वें संस्करण को सुना

**दमोह।** सांसद राहुल सिंह लोधी ने नया बाजार वार्ड नंबर 5, दमोह के बूथ क्रमांक 121 एवं 122 से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ÷मन की बात÷ कार्यक्रम के 120 वें संस्करण को सुना ! इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, पूर्व सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज, भाजपा जिला महामंत्री गोपाल पटेल, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीमती नर्मदा सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय यादव, भाजपा आईटी सेल जिला संयोजक रिंकू गोस्वामी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि धर्मेंद्र पटेल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बिहारी पटेल, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्णा राज, पार्षद संजय कुशवाहा, युवा नेता मोंटी रैकवार , प्रमोद विश्वकर्मा जी सहित पार्टी के जेस्ट-श्रेष्ट कार्यकर्तागण एवं वार्ड वासियों की उपस्थिति रही

## संदिग्ध परिस्थितियों में संतोष यादव की मौत पर परिजनों ने उठाए सवाल

**बैरसिया।।** विदिशा रोड पर एक ऑटो में संतोष यादव (30) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटका मिला। सुबह 8ः00 बजे स्थानीय लोगों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। हालांकि, संतोष के पिता रामचरण यादव और परिजनों ने इस घटना को आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया हैं। परिजनों का कहना है कि संतोष आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकता था, बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिजनों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग संतोष यादव के पिता रामचरण यादव ने प्रशासन से गहन जांच और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक संतोष की मौत की असली वजह सामने नहीं आती, वे पीछे नहीं हटेंगें ।

## नवनिर्मित ग्रामोदय तीर्थ का पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री के मुख्यातिथ्य में हुआ लोकार्पण

**सिवनी।** प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल ने रविवार 30 मार्च को गाम बींझावाड़ा में नवनिर्मित ग्रामोदय तीर्थ (नर्मदेश्वर प्रांण प्रतिष्ठा) का लोकार्पण कर इसे आमजनों के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर मंत्री पटेल ने संतों तथा कन्यापूजन उपरांत नवनिर्मित मंदिर में पूजन-अर्चन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर विधायक सिवनी दिनेश राय, विधायक बरघाट कमल मर्सकोले, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, वैभव पवार, कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन, पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता, सीईओ जिला पंचायत नवजीवन विजय सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों, अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

# शाहपुर जंगल में जली मिली मानव खोपड़ी की गुत्थी सुलझी

### हत्या कर जलाया था शव सात आरोपी गिरफ्तार

**बैतूल।** जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में जंगल में मिली एक व्यक्ति की जली हुई मानव खोपड़ी की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। वह मानव खोपड़ी एक युवक की थी। जिसकी हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद शव को जला दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। केवल एक जली हुई मानव खोपड़ी मिलने के बावजूद पुलिस मामले की तह तक पहुंचने में सफल रही। जिसके लिए एसपी निश्चल एन. झारिया ने पुलिस टीम की सराहना की है।

पुलिस विभाग बैतूल के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी प्रेस नोट में जानकारी दी गई है कि 10 दिसंबर 2024 को वन विभाग द्वारा थाना शाहपुर को सूचना दी गई कि अर्जुनगोंदी जंगल स्थित जठानदेव मंदिर के पास एक नाले के ऊपर एक जली हुई मानव खोपड़ी पड़ी है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुँची और क्षेत्र को सुरक्षित किया गया।

एस पी के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) शाहपुर मयंक तिवारी, सीन ऑफ क्राइम टीम प्रभारी निरीक्षक आबिद अंसारी एवं जिला वैज्ञानिक अधिकारी नर्मदापुरम ऋषिकेश यादव द्वारा थाना प्रभारी मुकेश ठाकुर की उपस्थिति में घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया।

**टायर-लकड़ियों से जलाया था शवः** जांच के दौरान पाया गया कि अज्ञात मृतक के शव को टायर और लकड़ियों की सहायता से पूरी तरह जलाया गया था। घटनास्थल से एक जली हुई खोपड़ी कुछ हड्डियों के अवशेष एवं एक स्टील का कड़ा बरामद किया गया। साक्ष्यों को वैज्ञानिक विधि से संकलित कर उनका फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई गई तथा अज्ञात मृतक की पहचान हेतु मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

**डीएनए टेस्ट से हुई मृतक की पहचानः** थाना कोतवाली बैतूल में 21 दिसंबर 2024 को रिंकेश चौहान निवासी कुंड बकाजन थाना चिचोली की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। जिसमें परिजनों द्वारा रिंकेश की पहचान के लिए हाथ में चुड़ा (स्टील का कड़ा) पहनना बताया गया। तत्पश्चात पुलिस मृतक के परिजन का रक्त नमूना लेकर मृतक की शिनाख्त पूर्ण किये जाने हेतु रिंकेश के परिजनों का डीएनए नमूने लेकर एफएसएल जांच के लिए भेजा। जांच रिपोर्ट में अर्जुनगोंदी जंगल में मिली जली हुई खोपड़ी एवं मृतक रिंकेश चौहान के परिजनों का डीएनए मिलान होना पाया गया। जिससे शव की पुष्टि रिंकेश चौहान के रूप में हुई।

**जांच के लिए बनाई गई विशेष टीमः** पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी शाहपुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शाहपुर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की गई। लगभग 4 महीने की गहन जांच के बाद पुलिस को जानकारी मिली कि 30 नवंबर 2024 को रिंकेश चौहान न्यायालय पेशी के लिए बैतूल गया था।

**मुखबिरी के शक में की थी मारपीटः** इस दौरान यह भी खुलासा हुआ कि ग्राम बांसपानी के आशीष परते को गोवंश के मामले में पुलिस को सूचना देने पर गांव से उठाकर एक कमरे में बंद कर उल्टा लटका कर रिंकेश तथा उसके अन्य साथियों ने मारपीट की थी। आशीष परते उससे इस बात को लेकर रंजिश रखता था और बदला लेने की फिराक में था।

**दोस्त के घर रूकने की मिली खबरः** इधर रिंकेश पेशी निपटाकर मुलताई मेला देखने गया, फिर झीटापाटी गाँव में अपने दोस्त गब्बर के घर रुका। यह बात नितिन के साले अपचारी बालक ने नितिन को बताई। नितिन रिश्ते में आशीष परते का भतीजा लगता है। इसके बाद नितिन ने फोन से बताया कि रिंकेश झीटापाटी गाँव में अपने दोस्त गब्बर के घर रुका है।

**साथियों के साथ गांव से किया अगवाः** इस सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी आशीष परते एवं उसके साथियों ने रिंकेश को अगवा कर लिया। आशीष परते एवं उसके साथी नितिन, प्रदीप, मनीष, अपचारी बालक, शिवा धुर्वे एवं ड्राइवर मिंचू ने मिलकर रिंकेश को अगवा कर बेरहमी से पीटा। बंधक बनाकर करते रहे पूरे दिन प्रताड़ित आरोपी उसे पाढर वाइन शॉप के पीछे स्थित टेकरी पर ले गए। जहाँ उसे दिन भर बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया। शाम को आशीष परते ने टायर एवं 15 लीटर डीजल की व्यवस्था की। सभी आरोपी रिंकेश को अर्जुनगोंदी के जंगल में जठानदेव मंदिर के पास ले गए, जहाँ उसे फिर से बुरी तरह मारा गया। जब रिंकेश की मृत्यु हो गई। तब आरोपियों ने लकड़ियों एवं टायरों के नीचे उसका शव रखकर डीजल डालकर आग लगा दी और मौके से फरार हो गए। शाहपुर पुलिस की सतत निगरानी और प्रयासों से आरोपियों की पहचान कर सभी 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस सफलता के लिए एस पी द्वारा थाना शाहपुर की विशेष टीम को सराहना दी गई है।

## जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बानमौर तालाव की सफाई की

**मुरैना।** जल संसाधन विभाग मुरैना द्वारा सोमवार को बानमौर तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सफाई का कार्य जन भागीदारी/जन सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन संभाग के कार्यपालन यंत्री श्री पीएस जाटव, पार्षद श्रीमती गीता लक्ष्मण सिंह, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका बानमोर श्री भगवान सिंह, गणमान्य नागरिकों तथा विभागीय कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रमदान किया। कार्यक्रम में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन श्री पी.एस. जाटव द्वारा नागरिकों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल की महत्वता एवं जल स्त्रोतों/संसाधनों के रखरखाव तथा इनके संरक्षण पर जोर देते हुये इस धरोहर को बचाने हेतु जागरूक किया गया।

## महर्षि दयानंद सरस्वती आर्ष गुरुकुल सोनाखार में 15 अप्रैल से प्रवेश प्रारंभ

**छिंदवाड़ा।** महर्षि दयानंद सरस्वती आर्ष गुरुकुल सोनाखार में प्रारंभ हो रहा है जिसमें कक्षा छठवीं से आठवीं तक के बच्चों को संस्कार युक्त योग्य शिक्षा दी जाएगी। गुरुकुल के आचार्य ओम देव शास्त्री ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती आवासीय गुरुकुल है जिसमें बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा दी जाएगी, गुरुकुल में प्रवेश के लिए अभिभावक अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए मोबाइल नंबर 9407012142 में संपर्क कर सकते हैं। गुरुकुल में 15 अप्रैल 2025 से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। सोनाखार गुरूकुल के अध्यक्ष हेमंत पटेल, सचिव गोविन्द चौरसिया, कोषाध्यक्ष अजय वर्मा, उप सचिव शंकर चौरसिया ने बताया कि गुरूकुल में प्रवेश कर दी गई है।

## भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने भगवान झूलेलाल की आरती कर आशीर्वाद लिया

**छिंदवाड़ा।** भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव भगवान झूलेलाल की जयंती चेटीचंड पर्व के अवसर मोहन नगर स्थित भगवान झूलेलाल के मंदिर पहुंचे, जहां सिंधी समाज के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव ने मंदिर में भगवान झूलेलाल की आरती की एवं माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किए। इस अवसर पर सांसद बंटी विवेक साहू भी आरती और पूजा में शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ कृष्णा हरजानी, घनश्याम पंजवानी, सुनील लालवानी, मुकेश लालवानी सहित सिंधी समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

## भाजपा नगर मंडल अमरवाड़ा ने तिलक लगाकर नवरात्र एवं नए वर्ष की शुभकामनाएं

**अमरवाड़ा।** भाजपा नगर मंडल अमरवाड़ा के द्वारा आज चैत्र नवरात्र एवं हिंदू नव वर्ष की तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी थाना के सामने हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर लोगों को तिलक लगाकर शुभकामना देते हुए नगर के सुख समृद्धि की कामना की इस अवसर पर भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा आशु चचड़ा मुकेश सूर्यवंशी राजेंद्र सराठे श्याम चौरसिया मोनू चौरसिया पीयूष चौरसिया ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सुनील ठाकुर शुभम सोनी सागर चौरसिया एवं भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कोल इंडिया पेंशनर्स की मासिक बैठक कल

**छिंदवाड़ा।** कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति की मासिक बैठक दिनांक 01.04.2025 दिन मंगलवार को परशुराम वाटिका के सामने, शुक्ला ग्राउण्ड के पास छिंदवाड़ा में समय दोपहर 12 बजे से रखी गई है। जिसमें 09 मार्च 2025 कोलकाता में संपन्न अधिवेशन की जानकारी दी जायेगी। शाखा के अध्यक्ष पी.आर. डेहरिया की अध्यक्षता में मासिक बैठक होगी। जिसमें शाखा के कार्यवाहक अध्यक्ष टी.आर. यादव, शत्रुघन साहू, एच.एस. राजपूत, एन.पी. मिश्रा, वहीद भाई, श्रीमति सरला साहू, एस.एल. पवार विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। समस्त शाखा पदाधिकारियों ने छिंदवाड़ा जिले के समस्त पेंशनरों से अपील की है कि बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर सभा को सफल बनायें।

## खिरसाडोह ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

**परासिया।** खिरसाडोह ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेंगा महाअभियान खिरसाडोह ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में बताया जल ही जीवन है एवं जल के बिना जीवन संभव नहीं है तो हम क्यों जल को व्यर्थ गंवाते है। कभी हम नल खुला छोड़ देते है तो कभी व्यर्थ ही पानी गिरा देते है। आज हमे जल संरक्षण की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि जल संरक्षण की आज बहुत आवश्यकता है इस अभियान कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय पोनार रूपेंद्र डेहरिया जिला उपाध्यक्ष एससी युवा मोर्चा सरपंच श्रीमती। सुप्रिया शिव नंदन पंद्राम उपसरपंच सुशील डोलानी सचिव विजय सिंधिया प्रदेश सचिव नवीन डेहरिया पंचायत प्रशांत श्रीवास्तव एवं राजेश भट्ट मैडम सुचित्रा शेंडे, इंजीनियर मैडम स्वेता धिमान वेध सर, दुर्गेश नागवंशी जयनंदन पवार योगेश इवनाती एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहें

## सप्ताहिक बाजर वासुली नीलामी को लेकर ग्रामीण नाराज

**परासिया।** खिरसाडोह सिंदरई गुरैयाथर पंचायत मे बिगर कोइ एगजेंडा ना कोई सुचना के सप्ताहिक बाजर वासुली कि निलामी वार्ड पंच सकरू भलावी ने ग्राम पंचायत गुरैयाथर मे सप्ताहिक बाजर वासुली को लेकर सवाल उठाते हुवे बताया कि सिंदरई गुरैयाथर पंचायत मे सप्ताहिक गुजरी बाजर लगती है जिसे 1 वर्ष पहले से पंचायत वासुली कर रहे थे लेकिन 1 वर्ष कि बाजर वासुली का कोइ हिसाब नहीं है और इस वर्ष जब सप्ताहिक बाजर वासुली कि निलामी किया गया तो ना कोइ पंच को सुचना मिला ना ही आम जनता को सुचना के बिगर 8-10 लोगो मे निलामी कर दिया गया आखिर बिना सुचना एंव बिगर एगजेंडा के एक दिन मे केसे निलामी हो गया इस बात से साफ जाहिर हैं कि न तो पंचायत जनता और पंचो को कोइ हिसाब दिखाना चाहती हैं ना ही कोइ कार्य योजना को बताना चाहती हैं पंचायत अपने मनमानी में मगन ग्राम का विकास हो या ना हो एवं ग्राम वासियों कर रहें पंचायत का विरोध।

# माचागोरा बांध बनने के बाद छिंदवाड़ा जिला में पानी की दृष्टि से दूसरे जिले के बराबर पहुंच गया है: शेषराव यादव

### ये कुएं, तालाब, बांध ये सब हमारे पूर्वजों की देन है इसीलिए इनकी सुरक्षा भी हमें ही करना होगा:दीपक सक्सेना

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव एवं पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने बेहड़िया गांव से जल गंगा सर्वोधन अभियान की शुरुआत की। जल गंगा संवर्धन अभियान का भूमि पूजन भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव एवं पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना द्वारा किया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रारंभ के अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार गांवों की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी जरूरतों को पूर करने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि जब से कन्हरगांव बांध बना है तब से छिंदवाड़ा को पानी पीने को मिला। उन्होंने कहा कि पहले छिंदवाड़ा में भी लोग मटके लेकर लाइन लगाकर खड़े रहते थे, रात के समय अपने-अपने घर से एक बाल्टी, गुंडी लाकर रख देते थे ताकि सुबह टेंकर आएगा तो सबसे पहले पानी हमें मिलेगा, ये हालत छिंदवाड़ा की थी। उन्होंने कहा कि कन्हरगांव योजना उस समय की बहुत बड़ी योजना थी जो 365 करोड़ की योजना थी। यह योजना विश्व बैंक से थी और इस योजना से ही छिंदवाड़ा का जीवन बदला है। उन्होंने कहा कि 2003 के पहले सिर्फ एक कन्हरगांव जलाशय बना और उसके बाद तत्कालीन सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमारे आसपास के जिले सिवनी, नरसिंगपुर, बैतूल ये जिले नर्मदा के कारण पहले से संपन्न थे और हमारा जिला बहुत दूरस्थ था और हमारे किसान बहुत परेशान थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने कहा कि माचागोरा में जितने नदी-नाले है, नहर हैं उनमें पानी बह रहा है। लेकिन हमारे पास केवल कन्हरगांव है, अगर कन्हरगांव नहीं होता तो हम क्या करते? इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, अलकेश साव, अजय सक्सेना, भरत घई, राकेश माइकल पहाड़े, कृपाशंकर सूर्यवंशी, अरूण गद्रे, विजेंद्र चौहान सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

### जल गंगा संवर्धन अभियान क्या है?

इस अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों द्वारा अधिक से अधिक जन-भागीदारी के प्रयास किये जा रहे हैं। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने नगर निगम, नगरपालिका परिषद और नगर परिषद को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं।

# प्रधानमंत्री ने राजाखोह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे महुआ की कुकीज की प्रशंसा की

### मन की बात कार्यक्रम में किया उल्लेख

**छिंदवाड़ा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आकाशवाणी पर प्रस्तुत मन की बात के 120 वे एपिसोड कार्यक्रम को संपूर्ण देश में सुना और देखा गया। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छिंदवाड़ा के दूरस्थ ग्राम राजाखोह में समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे महुआ की कुकीज का जिक्र करते हुए महिलाओं के जज्बे की तारीफ की। विदित हो कि सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा विगत दिनों दिल्ली की संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें आदिवासी बहनों द्वारा तैयार महुआ की कुकीज और लड्डू भेंट करते हुए इसकी विशेषताओं से उन्हें अवगत कराया था। रविवार 30 मार्च को आकाशवाणी में प्रसारित मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी महुआ की कुकीज का जिक्र किया।

### सांसद ने प्रधानमंत्री का माना आभार

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में छिंदवाड़ा का जिक्र करने पर सांसद बंटी विवेक साहू ने उनका आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आदिवासी क्षेत्र की स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाये जा रहे महुए की कुकीज की चर्चा की और महिलाओं के हौसलों की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशा के अनुरूप आज देश की महिलाएं अपने हुनरों के माध्यम से लखपति बन रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का सपना है कि देश की महिलाएं लखपति बने, इसी कड़ी में छिंदवाड़ा की आदिवासी अचंल की महिलाएं स्वसहायता समूह के माध्यम से लखपति बन रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम को रविवार को एम.एल.बी. स्कूल में आयोजित विक्रमोत्सव कार्यक्रम के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू, कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, महापौर विक्रम अहके, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, सौरभ ठाकुर, श्रीमती लीला बिजोलिया, नगर निगम सभापति बलराम साहू, राहुल उईके, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों अधिकारियों व आमजनों ने सुना और देखा।

# पावरझंडा पीएम आवास घोटाले में जप सीईओ फिरदोश शाह फरार

**बैतूल।** शाहपुर पावरझंडा ग्राम पंचायत में करीब सत्तर लाख रुपए के पीएम आवास के घोटाले में शाहपुर पुलिस द्वारा दस आरोपी पकड़े जाने के बाद सीईओ फिरदौस शाह पर भी आरोप लगाये है। सूत्रों के अनुसार दस आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में तत्कालीन सीईओ कंचन डोंगरे, आर एन श्रीवास्तव के उपर जांच बैठाई गयी है। तथा शाहपुर की जनपद पंचायत सीईओ फिरदौस शाह, सहायक लेखा अधिकारी धर्मेंद्र बाथरी के द्वारा मनरेगा की मजदूरी का भुगतान किया गया था। उन मकानों का निर्माण नहीं किया था। जिनके कारण दोनों अधिकारी को आरोपी बनाया गया था। सहायक लेखा अधिकारी धर्मेंद्र बाथरी के द्वारा उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत कर पचास हजार के जमानत मुचलके पर उच्च अदालत ने रिहा किया है। प्रकरण में जनपद पंचायत की सीईओ फिरदौस शाह की तलाश शाहपुर पुलिस कर रही है। उल्लेखनीय है कि पावर झंडा में 2021-22 में पीएम आवास घोटाला उजागर हुआ था। इस मामले में करीब 51 आवासों की 70 लाख रुपए की राशि के गबन किए जाने की बात का खुलासा होने पर 10 अधिकारी कर्मचारी सरपंच सचिव की गिरफ्तारी हुई थी। ग्राम पावरझंडा में वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रधानमंत्री

आवास ग्रामीण योजना के फर्जी लोगों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का भुगतान किया गया था। जिसकी ग्रामीणों द्वारा शिकायत करने पर ब्लॉक स्तरीय जांच टीम ने की। जांच के दौरान पता चला कि 51 प्रधानमंत्री आवास बने ही नहीं और पोर्टल में आवास पूर्ण बताकर फर्जी जियोटेकिंग कर फर्जी पात्र हितग्राही बनाकर उसके नाम पर दूसरे का बैंक खाता लगाकर राशि आहरित कर ली थी। ब्लॉक स्तरीय पांच सदस्यों जांच टीम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ऑनलाइन भेजी राशि में गड़बड़ी पायी है। इससे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ था।

### इनका कहना है

मामले में पावर झंडा के तत्कालीन सचिव सत्यनारायण जी सी पवारिया राजेंद्र गडरिया किसनू उइके लेखाधिकारी महेश शुक्ला जनपद समन्वय अधिकारी तिलक मालवीय कंप्यूटर ऑपरेटर तत्कालीन सरपंच ईश्वर कुमरे, विजय कुमरे, पांडू काकोड़िया सुरेश धुर्वे को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। तत्कालीन जनपद पंचायत शाहपुर के सीईओ आरएन श्रीवास्तव, कंचन डोंगरे और सहायक लेखा अधिकारी धर्मेंद्र बाथरी हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत मंजूर की जा चुकी है। जनपद पंचायत शाहपुर की सीईओ फिरदौस शाह की तलाश की जा रही है। शीघ्र गिरफ्तार करके पूछताछ की जाएगी।

## कमलनाथ व नकुलनाथ ने दी हिन्दू नववर्ष चैत्र नवरात्र व ईंद की शुभकामनायें

**छिन्दवाड़ा।** संकट मोचक भगवान हनुमान जी के परम भक्त धर्मानुरागी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्ना जिलेवासियों को हिन्दू नववर्ष, चैत्र नवरात्र व ईद पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। नेताद्वय ने सभी के लिये सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। कमलनाथ ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि माता रानी सभी की मनोकामनाओं को पूरा करें साथ ही देश, प्रदेश व जिले में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो। उन्होंने ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा कि सभी के जीवन में अमन व चैन बना रहे। अपने शुभकामना संदेश के अंत में य कमलनाथ ने पुनः सभी को चैत्र नवरात्र, हिन्दू नववर्ष व ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दी। पूर्व सांसद नकुलनाथ ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व गुड़ी पड़वा व ईद की शुभकामनायें दी साथ ही उन्होंने सभी के स्वास्थ्य जीवन, उन्नति व खुशहाली की कामना की। नकुलनाथ ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र में माता रानी की कृपा हमेशा बनी रहे। उन्होंने ईद की भी सभी को मुबारकबाद दी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे ने जिला कांग्रेस परिवार की ओर से जिलेवासियों को पावन चैत्र नवरात्र, हिन्दू नववर्ष व ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

# भव्य वाहन रैली से नगर भ्रमण कर किया गया नववर्ष का स्वागत

**सिवनी।** चैत्र प्रतिपदा हिन्दु नव वर्ष पर्व के शुभारंभ के अवसर पर भव्य वाहन रैली का आगाज सिवनी नगर के पालिटेक्रिक ग्राउंड से सकल सनातन समाज ने किया जिसमें भारी उत्साह के साथ जनमानस शामिल हुआ। रैली का नगर भ्रमण के दौरान जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ जय श्री राम के नारों से ऐतिहासिक स्वागत हुआ। इस दौरान सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मातृशक्ति सहित युवाओं की उपस्थिती में भारत माता के पूजन एवं आरती की तत्पश्चात् विधायक श्री राय का आयोजन समिति ने साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर सिवनी विधायक श्री राय ने समस्त जिलेवासियों को नववर्ष, चेटीचंड एवं नवरात्रि की शुभकामनाएँ दी इसके पश्चात महारैली प्रारंभ हुई। जो बाहुबली चौक होकर काली चौक से रैली के शुक्रवारी पहुंचने पर सिवनी विधायक दिनेश राय ने भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन सहित गणमान्य नागरिका की उपस्थिति में नव निर्मित पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया।

रैली नेहरू रोड होते हुए मठ-मंदिर मार्ग से छिंदवाड़ा चौक पहुंची जहां रैली में शामिल युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। बस स्टैंड पहुंचने पर आयोजित रैली में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री प्रहलाद पटेल शामिल हुये उन्होंने नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुये सिवनी विधायक को आयोजन को भव्य बनाने के लिये बधाई दी श। इस रैली में नगर के गणमान्य नागरिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों, मातृशक्ति ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

पूरे नगर में जगह जगह बने स्वागत द्वार, झंडे, बेनर पोस्टर भगवा रंग की पवित्रता नव वर्ष के उत्साह को द्विगुणित करते रहे। शक्ति उपासना के पर्व चैत्र नवरात्र का प्रथम दिन होने से अधिकांश सहभागिता करने वाले पवित्र भक्ति भाव से माता रानी के मंदिरों में दर्शन कर यहाँ उपस्थित हुये थे। बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति के साथ सभी ने भारत माता का पूजन और आरती की। रैली प्रारंभ होने के पूर्व व्यवस्था में लगे व्यक्तियों द्वारा रैली को व्यवस्थित और निर्धारित मार्ग की जानकारी वाली सूचनाएँ प्रसारित की इसके पश्चात रैली का शुभारंभ हुआ श।

प्रातः 10 बजे के पूर्व ही पालिटेक्रिक मैदान में रैली में शामिल होने वाले उत्साही युवाओं, मातृशक्ति एवं आमजनों की उपस्थिती सुनिश्चित होने लगी और यह उपस्थिती 10 बजने के साथ ही विशाल रूप ले चुकी थी। रैली के प्रति आमजनों में भारी उत्साह दिखाई दे रहा था। यहाँ बता दें कि नगर में पिछले कुछ दिनों से दो रैली निकलने की तैयारियाँ प्रारंभ थी परंतु इन दोनों रैलियों को एक ही स्थान से निकालने के लिये सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने संबंधितो से चर्चा की और नगर की गरिमा के अनुरूप एक ही स्थान से रैली का आयोजन सुनिश्चित कराया तथा इस रैली को भव्यता के साथ निकालने के लिये अपनी टीम के साथ पूरी ताकत झौंक दी, परिणाम स्वरूप आज की रैली ऐतिहासिक रही इस रैली में मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री प्रहलाद पटेल सहित नगर के गणमान्य नागरिको,धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक

संगठनों, मातृशक्ति ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। रैली में रामदल ने अपनी उल्लेखनीय उपस्थिती दर्ज कर रामदरबार की झांकी को भी शामिल किया जो विशेष आकर्षण का केन्द्र रही।

रैली पालिटेक्रिक मैदान से प्रारंभ होकर, बाहुबाली चौक, मिशन स्कूल के सामने पहुंची जहां जेसीबी युनियन ने जेसीबी से पुष्पवर्षा की यहाँ से रैली बरघाट रोड गणेश चौक होते हुये शुक्रवारी, नेहरू रोड गिरजा कुंड से दुर्गा चौक होते हुये मठ रोड, छिंदवाड़ा चौक, महावीर मढिया, नगर पालिका चौक,के पश्चात चंदेल चश्मा के सामाने पहुँचने पर भी जेसीबी से पुष्पवर्षा उल्लेखनीय रही इसके पश्चात रैली बस स्टैंड, पोस्ट आफिस होते हुये भैरोगंज से ज्यारत होते हुये वापस पालिटेक्रिक मैदान पहुँची जहाँ सभी के लिये फलाहारी खिचड़ी का वितरण कर रैली का समापन किया गया।

## गोविन्द चौरसिया अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

### सामाजिक भावनाओं की पर्याय जन परिषद वियतनाम में हुई ग्यारहवीं अंतरराष्ट्रीय मीट

**छिंदवाड़ा।** पर्यावरण पर केंद्रित, अग्रणी संस्था जन परिषद की ग्यारहवीं अंतराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, वियतनाम की हो ची मिन्ह सिटी में जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी, सुप्रसिद्ध शिक्षाविद नयनतारा पाठक, लक्ष्मी त्रिपाठी एवं मिस यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी सुश्री हर्षल बजाज की उपस्थिति में संपन्न हुई।

कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संस्था के अध्यक्ष श्री एन के त्रिपाठी ने जन परिषद की 36 वर्षों की यात्रा की अनेक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सबके सम्मिलित प्रयासों एवं जन परिषद के रचनात्मक प्रयासों से संस्था जन परिषद सामाजिक भावनाओं की पर्याय बन गई है। जन परिषद की इस मीट में पधारे सभी डेलीगेट्स का स्वागत करते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण को बचाना हम सबकी प्रमुख जिम्मेदारी है। श्रीमती नयन तारा पाठक ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि एक एक व्यक्ति को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। सुश्री हर्षल बजाज ने जन परिषद के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि, यह बात सच है कि जन परिषद, संस्था नहीं, परिवार है। इस अवसर पर एन के त्रिपाठी, श्रीमती नयन तारा पाठक, सुश्री हर्षल बजाज, वरिष्ठ पत्रकार गोविंद चौरसिया, अशोक निगम समेत करीब आठ डेलीगेट्स को सम्मानित किया गया। एवं ये सदस्य

श्रीमती लक्ष्मी त्रिपाठी, अशोक निगम, श्रीमती माला निगम, श्रीमती इन्द्रा चौरसिया, दिनेश जैन, श्रीमती जैन, श्रीमती शोभा दुबे, श्रीमती अंजुला पुरोहित, राजेंद्र जैन, श्री श्रीवास्तव, दिनेश जैन श्रीमती प्रेमलता ओसवाल, आर एस भट्ट, डॉ सुनील अग्रवाल, श्रीमती अनामिका अग्रवाल, श्रीमती अंजुला दुबे, आशीष शुक्ला, श्रीमती अनुपमा शुक्ल, प्रतिनिधी मंडल शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन रामजी श्रीवास्तव ने एवं आभार श्रीमती भट्ट ने किया।

## नहरों की सफाई कर किया गंगा जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ

**चौरई।** प्रदेश स्तरीय गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत तालाब जलाशय,नहर चौरई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरोज रघुवंशी में शामिल हुए। मुख्य अतिथि सरोज राधेश्याम रघुवंशी ने आमजनों और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तरुण रहांगडाले एवं विभागीय अधिकारी श्रीमती रोहणी बघेले एस.डी.ओ कर्मचारियों के साथ नहरों की सफाई कर अभियान का शुभारंभ किया।मुख्य अतिथि श्रीमति सरोज राधेश्याम रघुवंशी ने कहा कि जल ही जीवन है जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है जल संरक्षण के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, समाज को भी आगे आना होगा इसी मंशा के साथ प्रदेश की भाजपा सरकार ने जल गंगा संवर्धन महाअभियान प्रारंभ की है। अभियान की अवधि 30 मार्च से 30 जून होगी। नहरों को मार्क कर विलेज-मेप पर शासकीय नहर के रूप में अंकित किया जाएगा। बांध तथा नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा अभियान के अंतर्गत जलाशयों की सफाई, पौधरोपण, छोटी नदियों, तालाबों और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण के लिए कार्य किए जाएंगे।

### जय भीम सेना की बैठक

## 20 अप्रैल को विशाल रैली का आयोजन कर मनायेगी अंबेडकर जयंती

**छिंदवाड़ा।** जयभीम सेना सामाजिक संगठन की बैठक आज जिला कार्यालय छिंदवाड़ा में आयोजित की गई। जिसमें संगठन के कोर कमेटी के लोगों के द्वारा निर्णय लिया गया कि 14 अप्रैल महामानव डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी की जयंती है। इस जयंती उत्सव समारोह को जय भीम सेना सामाजिक संगठन के द्वारा 20 अप्रैल दिन रविवार को अंबेडकर तिराहा से विशाल रैली, समाज के लोगों का सम्मान करके मनाया जायेगा। संगठन में आज संगठन का विस्तार करते हुये उमरेठ ब्लॉक अध्यक्ष पद पर मनोज बघेल को व कार्यकारी अध्यक्ष रामसिंग धुर्वे को जिम्मेदारी दी गई कि बाबा साहेब अंबेडकर जी के विचारों पर चलकर शोषित, वंचित, गरीब समाज को हक, अधिकार व न्याय दिलाने के लिये संघर्ष करें। संगठन ने इस बैठक में निर्णय लिया कि छिंदवाड़ा जिले में दलित समाज के पीड़ित लोगों की पुलिस विभाग द्वारा एफ.आई.आर. तक दर्ज नहीं की जा रही है न ही उनको न्याय मिल पा रहा है, जिसको लेकर संगठन 1 अप्रैल दिन मंगलवार को प्रातः 12 बजे जिला कलेक्ट्रेट में महामहिम राष्ट्रपति के नाम व जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में समाज की मांगो को लेकर पीड़ितों के साथ ज्ञापन के माध्यम से न्याय करने हेतु सौंपा जायेगा। आज बैठक में मुख्य रूप से शिवम पहाड़े, राजकुमार खड़से, सीताराम सरेयाम, मदन बरखाने, संजय विश्वकर्मा, पारस बंशकार, संदेश बघेल, राकेश तेकाम, रंजीत रविकर, बबलू कनोजे, मनीष मृदुलकर, राजा गुन्हेरे, अरविंद मोहबे, खेमराज पहाड़े, मनोज बघेल, रामसिंग धुर्वे, संजय बॉक्सर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## नदियां जीवन का आधार- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल

**सिवनी।** प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद पटेल जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत कंडीपार के ग्राम कोलासुर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री पटेल ने सागर नदी उद्गम स्थल का निरीक्षण किया तथा पूजन अर्चन कर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विधायक सिवनी दिनेश राय, विधायक बरघाट कमल मर्सकोले, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सहित अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। मंत्री श्री पटेल ने उपस्थितजनों को संबोधित कर कहा कि प्राकृतिक रूप से दुर्गम पहाड़ों से निकलने वाली नदियां जीवन का आधार है। नदियों से मिलने वाला जल हमारे भरण-पोषण तथा अन्य जरूरतों के लिए नितांत अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि आज हम देखते हैं कि नदियों के स्त्रोत लगातार सूख रहे हैं, हमें आने वाली पीढी के उज्जवल सुगम भविष्य के लिए आज चिंतन करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री पटेल ने शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान में भी प्रकाश डालकर युवाओं को आगे आकर जिम्मेदारी लेने की बात कही। उन्होंने युवाओं से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा वृक्षारोपण के लिए आगे आने की बात कही। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही नहीं बल्की पौधे का वृक्ष बनना जरूरी है। उन्होंने उपस्थितजनों से आने वाले बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण का आव्हान किया।

## संपादकीय

### पत्रकारों पर बढ़ती सख्ती से लोकतंत्र को खतरा

एक लोकतात्रिक देश के संघीय ढांचे की अहम पहचान है सवाल पूछना और अभिव्यक्ति की आजादी। नागरिकों की आवाज को समाचार में जगह देना पत्रकार का दायित्व होता है। अगर वह सच्चाई सामने नहीं लाएगा, जनता की परेशानियों तथा उनकी नाराजगी को सामने नहीं रखेगा, तो पत्रकारिता अपना मूल उद्देश्य खो देगी। लेकिन आलम यह है कि शासन तंत्र अपने खिलाफ कोई भी स्वर नहीं सुनना चाहता। इसकी बानगी गुवाहाटी में देखने को मिली, जहां एक सहकारी बैंक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सवाल पूछने वाले पत्रकार को गिरफ्तार कर लिया गया।हालांकि बाद में एक अदालत ने पत्रकार को जमानत दे दी। उस बैंक में अहम पदों पर सत्ता से जुड़े रसूखदार लोग काबिज हैं और वह पत्रकार वहां चल रही अनियमितताओं को लेकर लगातार अपने समाचार पोर्टल पर लिख रहा था। हालांकि इस संबंध में पुलिस का कहना है कि उस पत्रकार ने जनजातीय समुदाय के एक व्यक्ति के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां की थी।व्यवस्था के विरोध में जनता के लिए लिखने वाले पत्रकारों के प्रति शासन की असहिष्णुता की खबरें अक्सर सामने आती हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में कोई पत्रकार कैसे अपनी जिम्मेदारी निभा पाएगा। तमाम वैश्विक एजंसियां भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठा रही हैं। यह खेदजनक है कि प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत लगातार नीचे खिसक रहा है। 180 देशों में भारत वर्तमान में 159वें स्थान पर है। वर्ष 2003 से ही भारत का प्रदर्शन खराब आंका जा रहा है।सूचकांक के अनुसार, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और रूस के बराबर माना जा रहा है। ब्रिक्स देशों में ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को भारत की तुलना में ज्यादा स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि चीन और रूस निचले पायदान पर हैं। दक्षिण एशियाई देशों में, बांग्लादेश को छोड़कर अन्य सभी देश नवीनतम सूची में भारत से बेहतर स्थान पर हैं। हमें सोचना होगा कि हम कहां खड़े हैं। लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने वाले इस अहम कारक की ओर ध्यान देना होगा कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूत करती है।

# नव संवत्सर- भारत का नव वर्ष

**आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है।**

(सुरेश हिंदुस्तानी)

भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है।

आज यह प्रामाणिक रूप से कहा जा सकता है कि अपने स्वर्णिम अतीत को विस्मृत करने वाला भारतीय समाज अब अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। सही मायनों में कहा जाए तो समाज प्राकृतिक होने की ओर कदम बढ़ा चुका है। विश्व की महान और शाश्वत परंपराओं का धनी भारत देश भले ही अपने अपनी पहचान बताने वाली कई बातों का भूल गया हो, लेकिन कुछ बातें ऐसी भी हैं, जिनका स्वरुप आज भी वैसा ही दिखाई देता है, जैसा दिग्विजयी भारत का था। हम भले ही अपने शुभ कार्यों में अंग्रेजी तिथियों का उल्लेख करते हों, लेकिन उन तिथियों का उन शुभ कार्यों से कोई संबंध नहीं रहता। हम जानते हैं कि भारत में जितने भी त्यौहार एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं, उन सभी में केवल भारतीय काल गणना को ही प्रधानता दी जाती है। इसका आशय स्पष्ट है कि भारतीय ज्योतिष उस कार्य के गुण और दोष को भली भांति प्रकट करने की क्षमता रखता है। किसी अन्य कालगणना में यह संभव ही नहीं है।

वर्तमान में हम भले ही स्वतंत्र हो गए हों, लेकिन पराधीनता का काला साया एक आवरण की तरह हमारे सिर पर विद्यमान है। जिसमें चलते हम उस राह का अनुसरण करने की ओर प्रवृत्त हुए हैं, जो हमारे संस्कारों के साथ समरस नहीं है। अब नव वर्ष को ही ले लीजिए। अंग्रेजी पद्धति से एक जनवरी को मनाया जाने वाला वर्ष नया कहीं से भी नहीं लगता। इसके नाम पर किया जाने वाला मनोरंजन फूहड़ता के अलावा कुछ भी नहीं है। सोचने की बात यह है कि आधुनिकता के नाम पर समाज का अभिजात्य वर्ग वह सब कुछ कर रहा है, जो सभ्य और भारतीय समाज के लिए स्वीकार करने योग्य नहीं है। विसंगति तो यह है कि हमारे समाज के यही लोग संस्कृति बचाने के नाम पर लम्बे चौड़े व्याख्यान देते हैं। भारतीय काल गणना के अनुसार मनाए जाने वाले त्यौहारों के पीछे कोई न कोई प्रेरणा विद्यमान है। हम जानते हैं कि हिन्दी के अंतिम मास फाल्गुन में वातावरण भी वर्ष समाप्ति का संकेत देता है, साथ ही नव वर्ष के प्रथम दिन से ही वातावरण सुखद हो जाता है। हमारे ऋषि मुनि कितने श्रेष्ठ होंगे, जिन्होंने ऐसी काल गणना विकसित की, जिसमें कब क्या होना है, इस बात की पूरी जानकारी समाहित है।

पिछले दो हजार वर्षों में अनेक देशी और विदेशी राजाओं ने अपनी साम्राज्यवादी आकांक्षाओं की तुष्टि करने तथा इस देश को राजनीतिक दृष्टि से पराधीन बनाने के प्रयोजन से अनेक संवतों को चलाया, किंतु भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान केवल विक्रमी संवत के साथ ही जुड़ी रही। अंग्रेजी शिक्षा-दीक्षा और पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के कारण आज भले ही सर्वत्र ईसवी संवत का बोलबाला हो और भारतीय तिथि-मासों की काल गणना से लोग अनभिज्ञ होते जा रहे हों, परंतु वास्तविकता यह भी है कि देश के सांस्कृतिक पर्व-उत्सव तथा राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक आदि महापुरुषों की जयंतियाँ आज भी भारतीय काल गणना के हिसाब से ही मनाई जाती हैं, ईसवी संवत के अनुसार नहीं। विवाह-मुण्डन का शुभ मुहूर्त हो या श्राद्ध-तर्पण आदि सामाजिक कार्यों का अनुष्ठान, ये सब भारतीय पंचांग पद्धति के अनुसार ही किया जाता है, ईसवी सन की तिथियों के अनुसार नहीं। इसके बाद भी हमारे समाज का एक वर्ग इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। इसके कारण हम सामाजिक मान मर्यादाओं का स्वयं ही मर्दन करते जा रहे हैं। जिसके चलते इसका दुष्प्रभाव हमारे सामने आ रहा है और समाज में अनेक प्रकार की विसंगतियां भी जन्म ले रही हैं, जो भारतीय जीवन दर्शन के हिसाब से स्वीकार योग्य नहीं हैं।

भारतीय नव वर्ष का अध्ययन किया जाए तो चारों तरफ नई उमंग की धारा प्रवाहित होती हुई दिखाई देती है। जहां प्रकृति अपने पुराने आवरण को उतारकर नए परिवेश में आने को आतुर दिखाई देती है, वहीं भारत माता अपने पुत्रों को धन धान्य से परिपूर्ण करती हुई दिखाई देती है।

भारतीय नव वर्ष के प्रथम दिवस पूजा पाठ करने से असीमित फल की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि शुभ कार्य के लिए शुभ समय की आवश्यकता होती है और यह शुभ समय निकालने की सही विधा केवल भारतीय काल गणना में ही समाहित है। भारतीय नववर्ष का पहला दिन यानी सृष्टि का आरम्भ दिवस, युगाब्द और विक्रम संवत जैसे विश्व के प्राचीन संवत का प्रथम दिन, श्रीराम एवं युधिष्ठिर का राज्याभिषेक दिवस, मां दुर्गा की साधना चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक, प्रखर देशभक्त डॉ. केशवराव हेडगेवार जी का जन्मदिवस, आर्य समाज का स्थापना दिवस, संत झूलेलाल जयंती। इतनी विशेषताओं को समेटे हुए हमारा नव वर्ष वास्तव में हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है। वास्तव में ये वर्ष का सबसे श्रेष्ठ दिवस है।

नववर्ष का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से माना जाता है। ब्रह्मपुराण के अनुसार पितामह ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि निर्माण प्रारम्भ किया था, इसलिए यह सृष्टि का प्रथम दिन है। इसकी काल गणना बड़ी प्रचीन है। सृष्टि के प्रारम्भ से अब तक लगभग 1 अरब, 95 करोड़, 58 लाख, 85 हजार, 115 वर्ष बीत चुके हैं। यह गणना ज्योतिष विज्ञान द्वारा निर्मित है। आधुनिक वैज्ञानिक भी सृष्टि की उत्पत्ति का समय एक अरब वर्ष से अधिक बता रहे हैं। जो भारतीय काल गणना की शाश्वत उपयोगिता का प्रमाण देता है। हिन्दु शास्त्रानुसार इसी दिन से ग्रहों, वारों, मासों और संवत्सरों का प्रारम्भ गणितीय और खगोल शास्त्रीय संगणना के अनुसार माना जाता है।

भारतवर्ष में वसंत ऋतु के अवसर पर नूतन वर्ष का आरम्भ मानना इसलिए भी हर्षोल्लासपूर्ण है, क्योंकि इस ऋतु में चारों ओर हरियाली रहती है तथा नवीन पत्र-पुष्पों द्वारा प्रकृति का नव शृंगार किया जाता है। लोग नव वर्ष का स्वागत करने के लिए अपने घर-द्वार सजाते हैं तथा नवीन वस्त्राभूषण धारण करके ज्योतिषाचार्य द्वारा नूतन वर्ष का संवत्सर फल सुनते हैं।

विक्रमादित्य ने भारत की इन तमाम कालगणनापरक सांस्कृतिक परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए ही चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की तिथि से ही अपने नवसंवत्सर संवत को चलाने की परम्परा शुरू की थी और तभी से समूचा भारत इस तिथि का प्रतिवर्ष अभिवंदन करता है। ऐसे में विचारणीय तथ्य यह है कि हम जड़ों से जुड़े रहना चाहते हैं या फिर जड़ बनकर पश्चिम के पीछे भागना चाहते हैं।

**ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 31 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं।**

# गणगौर पर्व मां पार्वती को समर्पित है

(डा. अनीष व्यास )

भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं।

गणगौर का पर्व राजस्थान और भारत की भूमि के लिए बड़ा ही पवित्र और सुखद त्यौहार माना जाता है। इस पर्व को भारत में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। यह पर्व मां पार्वती को समर्पित है और इस पर्व में उन्हीं की पूजा की जाती है। खास तौर से राजस्थान में गणगौर का बेहद ही महत्व है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर का पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार यह तिथि 31 मार्च 2025 को है। गणगौर की पूजा चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन की जाती है। इस दौरान सुहागन और कुंवारी कन्याएं माता पार्वती और शिवजी की पूजा करती हैं और पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। इस पर्व की खास रौनक राजस्थान में देखने को मिलती है। राजस्थान के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और गुजरात के कुछ इलाकों में भी यह पर्व मनाया जाता है। ये पर्व करवा चौथ जैसे ही मान्यता रखता है। इसके अनुसार कुंवारी कन्याएं और महिलाएं अच्छा पति पाने और पति के साथ सुखद जीवन व्यतीत करने के लिए इस व्रत का अनुसरण करती है। माना जाता है कि ऐसा करने से पति-पत्नी के बीच भगवान शिव और मां पार्वती जैसा ही सुखद दाम्पत्य संबंध बनता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 31 मार्च को गणगौर पर्व मनेगा। ये त्योहार चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। गणगौर पूजा चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि से आरम्भ की जाती है। इसमें कन्याएं और शादीशुदा महिलाएं मिट्टी के शिवजी यानी गण और माता पार्वती यानी की गौर बनाकर पूजन करती हैं। गणगौर के समाप्ति पर त्योहार धूम धाम से मनाया जाता है और झांकियां भी निकलती हैं। सोलह दिन तक महिलाएं सुबह जल्दी उठकर बगीचे में जाती हैं, दूब और फूल चुन कर लाती हैं। दूब लेकर घर आती है उस दूब से मिट्टी की बनी हुई गणगौर माता दूध के छीटें देती हैं। वे चैत्र शुक्ल द्वितीया के दिन किसी नदी, तालाब या सरोवर पर जाकर अपनी पूजी हुई गणगौरों को पानी पिलाती हैं। दूसरे दिन शाम को उनका विसर्जन कर देती हैं। जहां पूजा की जाती है उस जगह को गणगौर का पीहर और जहां विसर्जन होता है उस जगह को ससुराल माना जाता है।

**17 दिन तक मनाया जाता है यह पर्व-** भविष्यवक्ता डॉ अनीष व्यास ने बताया कि राजस्थान में गणगौर का त्योहार फाल्गुन माह की पूर्णिमा (होली) के दिन से शुरू होता है, जो अगले 17 दिनों तक चलता है। 17 दिनों में हर रोज भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्ति बनाई जाती है और पूजा व गीत गाए जाते हैं। इसके बाद चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके व्रत और पूजा करती हैं और शाम के समय गणगौर की कथा सुनते हैं। मान्यता है कि बड़ी गणगौर के दिन जितने गहने यानी गुने माता पार्वती को अर्पित किए जाते हैं, उतना ही घर में धन-वैभव बढ़ता है। पूजा के बाद महिलाएं ये गुने सास, ननद, देवरानी या जेठानी को दे देते हैं। गुने को पहले गहना कहा जाता था लेकिन अब इसका अपभ्रंश नाम गुना हो गया है।

**अविवाहित कन्या करती हैं अच्छे वर की कामना-** ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर एक ऐसा पर्व है जिसे, हर महिला करती है। इसमें कुवारी कन्या से लेकर, शादीशुदा तक सब भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद पहला गणगौर पूजन मायके में किया जाता है। इस पूजन का महत्व अविवाहि त कन्या के लिए, अच्छे वर की कामना को लेकर रहता है जबकि, शादीशुदा महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए ये व्रत करती है। इसमें अविवाहित कन्या पूरी तरह से तैयार होकर और शादीशुदा सोलह श्रृंगार करके पूरे सोलह दिन विधि-विधान से पूजन करती हैं।

**देवी पार्वती की विशेष पूजा-** भविष्यवक्ता एवं कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर पर देवी पार्वती की भी विशेष पूजा करने का विधान है। तीज यानी तृतीया तिथि की स्वामी गौरी हैं। इसलिए देवी पार्वती की पूजा सौभाग्य सामग्री से करें। सोलह श्रृंगार चढ़ाएं। देवी पार्वती को कुमकुम, हल्दी और मेंहदी खासतौर से चढ़ानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य सुगंधित सामग्री भी चढ़ाएं।

**गणगौर पर्व का महत्व-** कुंडली विश्लेषक डॉ अनीष व्यास ने बताया कि गणगौर शब्द गण और गौर दो शब्दों से मिलकर बना है। जहां 'गण का अर्थ शिव और 'गौर का अर्थ माता पार्वती से है। दरअसल, गणगौर पूजा शिव-पार्वती को समर्पित है।

## वर्ग पहेली 5686

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | 5 | 6 |
| | ■ | 7 | | | | | |
| 8 | 9 | | ■ | ■ | | ■ | |
| 10 | | | 11 | 12 | ■ | 13 | ■ |
| 14 | | 15 | | | ■ | 16 | 17 |
| 18 | | | ■ | 19 | 20 | | |
| ■ | ■ | 21 | | ■ | | ■ | |
| 22 | | | ■ | 23 | | | |

**संकेत: बाएं से दाएं**

1. 1953 को यह देश फ्रांस से स्वतंत्र हुआ (4)
4. चोरी करने के लिए दीवार में किया गया छेद (3)
7. जाने की क्रिया यह कहलाती है (6)
8. लदाई करना, उद्भरण करना (3)
10. नाम को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
11. प्रतिष्ठा, ख्याति, माप (2)
14. किसी का हक मारा जाना, स्वत्व हानि (उर्दू)(5)
16. पथ, मार्ग, रास्ता, पंथ (2)
18. वह व्यक्ति जो शासक हो, पटरी, पैमाना (अंग्रेजी) (3)
19. जिसने पहले किसी अपराध में सजा पायी हो, प्राणदंड (उर्दू)(4)
21. दीवारों आदि पर बनाए हुए फूल आदि, छोटा वृक्ष (2)
22. मुस्लिम धर्म की ईश प्रार्थना जो पांच वक्त की होती है (3)
23. समतल, चौरस, अंगीकृत (4)

**ऊपर से नीचे**

1. यह हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री की पत्नी का नाम है (6)
2. विचलित होना, डगमगाना (3)
3. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
4. बनावटी, कृत्रिम, कूटकृत (3)
5. महसूल, टेक्स, हाथ, हस्त (2)
6. रूप या अस्तित्व प्रदान करना, केला (अंग्रेजी)(3)
9. अग्नि बुझाने का यंत्र (4)
11. सुस्वादु भोजन, क्रय-विक्रय की वस्तु (2)
12. उत्तम, बढ़िया, उम्दा (उर्दू)(3)
13. परजन भावनापूर्ण, अपनत्वहीन (3)
15. एक प्रकार का फल जो आकार में बड़ा होता है (4)
17. सप्ताह में एक बार होने वाला, साप्ताहिक (2)
20. फर्श पर बिछाने की छपी हुई चादर (3)

### वर्ग पहेली 5685 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श्री | स | ■ | सा | ब | र | म | ती |
| वा | म | ■ | ध | म | की | ■ | त |
| ■ | का | नू | न | ■ | ब | घा | र |
| फ | लि | त | ■ | ■ | ■ | त | ■ |
| ■ | क | र | क | ■ | डा | ल | ना |
| पी | ■ | वा | र | ना | ■ | ग | म |
| प | ■ | ट | वा | मी | ■ | ना | क |
| ल | [illegible] | ■ | ना | ■ | हां | ■ | ■ |

# पुरानी दिल्ली में गणगौर पूजा से जुड़ी हैं अनोखी परंपराएं

(पूनम बिष्ट)

गणगौर पूजा का इंतजार हर राजस्थानी परिवार को बड़ी शिद्दत से रहता है। होली के दिन से शुरू होने वाले इस पर्व का समापन 31 मार्च को गणगौर पूजा और पधराने की परंपरा के साथ होगा। ऐसे में जानते हैं कि घरों में किस तरह इस पर्व को मनाया जाता है।

**चिकनी मिट्टी से हाथ से बनाए जाते हैं गणगौर-** पुरानी दिल्ली में तो इसे और भी धूमधाम से मनाने की परंपरा है। पूर्वी दिल्ली की रहने वाली पूजा शर्मा अपनी बहू की पहली गणगौर पूजा करवा रही हैं। वह बताती हैं, असल में यह पर्व खेलने वाली होली के दिन से शुरू हो जाता है और 18 दिन तक चलता है। होली वाले दिन पांच उपले घर में लाए जाते हैं, उसके बाद बासोड़ा के दिन गणगौर बैठाई जाती है। फिर बनवारा निकलता है। बासोड़ा जिस दिन होता है, उस दिन शिव-पार्वती की प्रतिमाएं घर में रखी जाती हैं।

मेरी पैदाइश पुरानी दिल्ली की ही है और यहां गणगौर प्रतिमाएं चिकनी मिट्टी की मदद से हाथों से ही बनाई जाती हैं। प्रतिमा की आंख, नाक, हाथ, पैर जौ से ही बनाए जाते हैं। शिवजी के मुकुट पर भी जौ लगाई जाती हैं। रोज पूजा के समय जब पानी के छींटे इन जौ पर पड़ते हैं तो अंकुर फूटते हैं। हालांकि मैं इस बार बनी-बनाई प्रतिमाएं लाई हूं तो जौ को अलग से अंकुरित किया है। गणगौर को रोज सुबह भोग लगाया जाता है और शाम के समय पानी देकर जिमाया जाता है। गणगौर पर गोल गूने देने की परंपरा है। जिस लड़की का पहला गणगौर होता है, वह पूजा के अंतिम दिन कोरे वस्त्रों में सजकर पूजा के बाद गणगौर को पधराने (विसर्जन कराने) ले जाती है। इस दौरान देवी पार्वती से प्रार्थना की जाती है कि अपने जैसा ही सुहाग दियो। पूजा के अंतिम दिन जितना भी सामान या भोग गणगौर को चढ़ता है, वह सब माली को देने की परंपरा है। पुरानी दिल्ली में तो पार्क में ही एक जगह माली कुंड बना देते थे और उसी में गणगौर को पधारा जाता है।

**11 साल की उम्र से कर रही गणगौर पूजा -** पालम की रहने वाली पूजा शर्मा 11 साल की उम्र से गणगौर पूजा कर रही हैं। वह बताती हैं, मैं पारंपरिक राजस्थानी परिवार से ही हूं तो शादी से पहले भी कई गणगौर पूजा कीं। असल में यह सिर्फ सुहागिनों का त्योहार नहीं। अच्छे सुगाह, बढ़िया घर-परिवार पाने की आस में कुंवारी लड़कियां भी यह पूजा करती हैं। इसमें दो-दो लड़कियों का जोड़ा होता है। वो दूब चुनकर लाती हैं और उनकी कोंपलों से पूजा करती हैं। सुहागिनें पूरी की पूरी दूब से पूजा करती हैं।

## आज का राशिफल

### मेष

आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको करियर के मामले में लाभ होगा। बढ़ते हुए आर्थिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। काफी संघर्ष के बाद आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। सकारणीय दूर की यात्रा भी हो सकती है। छोटे मोटे पार्ट टाईम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का दिन है।

### वृष

आज दिन लाभ से भरा होगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और धन में वृद्धि होगी। आपको मान सम्मान प्राप्त होगा और कारोबारी योजनाएं सफल होंगी। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी और आपका बजट भी ठीकठाक रहेगा।

### तुला

आज आर्थिक लाभ होगा। आप पुराने कर्ज चुकाने में सफल होंगे। आपको कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपने बजट का ध्यान रखें। फालतू खर्च से बचें। ऐसी चीजें न खरीदें जो फिलहाल आपके काम की न हों। आपके नए विचारों को सराहा जाएगा और उनसे आपको लाभ होगा।

### वृश्चिक

आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा। आपका दिन काफी व्यस्त रहेगा। दिन के पहले भाग में आपको कुछ जरूरी फोन कॉल्स और ईमेल्स का जवाब देना होगा। कोई पुराना दोस्त अचानक मिल सकता है। अगर वह उधार मांगे तो पहले अपनी बचत पर विचार करें, फिर फैसला लें।

### मिथुन

आज करियर में लाभ और आपको अप्रत्याशित उन्नति हासिल होगी। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए अन्यथा आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है।

### कर्क

आज दिन आर्थिक लाभ का है। आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे। इन मौकों का फायदा उठाएं और अपनी क्षमता दिखाएं। याद रखें, मौके बार-बार नहीं आते। आर्थिक और करियर के मामले में आपको फायदा होगा और आपकी योग्यता साबित होगी।

### धनु

आज दिन शुभ रहेगा। ऑफिस में आपको कुछ नए अधिकार मिल सकते हैं। किसी रचनात्मक काम में आपकी रुचि बढ़ेगी। शाम को आप जरूरी सामान की खरीदारी करेंगे। घर के बड़ों से बहस करने से बचें, उनकी राय सुनें। परिवार के मामले में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। धनु राशि के लोगों को नए अवसर मिलेंगे।

### मकर

आज आर्थिक लाभ होगा और उनके सम्मान में वृद्धि होगी। मन में नई ऊर्जा का संचार होगा। ऑफिस में किसी नए काम को लेकर उत्साहित रहेंगे। दिल की बात कहने का यह सही समय है। प्रमोशन या वेतन वृद्धि की बात चल रही है। अपने उत्साह पर नियंत्रण रखें।

### सिंह

आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको खुशी महसूस होगी। किसी बहस या विवाद में आपकी जीत हो सकती है। व्यापार के मामले में आपको किसी से सलाह लेनी पड़ सकती है। हर नए काम के कानूनी पहलुओं पर ध्यान दें। धन और सम्मान के मामले में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

### कन्या

आज दिन शुभ है और आपको धन के मामले में लाभ होगा। आपकी आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। आज आपको कई जिम्मेदारियां निभानी होंगी। घर के सभी अधूरे कामों को पूरा करने का मौका मिलेगा। शाम को आप अपने प्रिय के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

### कुंभ

आज दिन अच्छा है। दिन के पहले भाग में लाभ होगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में लाभ और सम्मान मिलेगा। जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी और आपका सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। अनुभव के मामले में लाभ होगा। इसका मतलब है कि सफलता मिलेगी।

### मीन

आज लाभ होगा। जीवन आराम से बीतेगा। विरोधियों की आलोचना पर ध्यान न दें। अपना काम करते रहें। सफलता जरूर मिलेगी। सामाजिक दायरे में आपका प्रभाव बढ़ेगा। मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। उसकी बात पर यकीन न करें और अपने दिमाग का प्रयोग करके फैसला करें। सफलता मिलेगी।

# दादा और पिता के बाद बेटी 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनीं

## एक परिवार की 3 पीढ़ियां बॉक्सिंग चैंपियन

**भिवानी, एजेंसी।** हरियाणा के जिला भिवानी में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने बॉक्सिंग को इंटरनेशनल चैंपियन दिए हैं। भिवानी में बॉक्सिंग की शुरुआत करने वाले व बॉक्सिंग के लिए भिवानी को प्रसिद्ध करने वाले कैप्टन हवा सिंह की पोती 5वीं बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। नुपुर ने 21 से 27 मार्च तक नोएडा में हुई चैंपियनशिप में 81 प्लस कैटेगरी में मुकाबला खेला था।

बता दें कि कैप्टन हवा सिंह ने 1966 व 1970 में दो बार एशियन खेलों में गोल्ड मेडल जीते थे। साल 1961 से 1972 तक उन्होंने लगातार 11 बार हैवीवेट वर्ग में राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती। उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ने के बाद कई बॉक्सर तैयार किए। वहीं कैप्टन हवासिंह को अर्जुन अवॉर्ड व द्रोणाचार्य अवॉर्ड भी मिले हैं। कैप्टन हवासिंह के बेटे संजय श्योराण भी इंटरनेशनल चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने एशियन खेलों में मेडल जीता था। सरकार ने उन्हें भीम अवॉर्ड से सम्मानित भी किया है।

फिलहाल वे गुरु द्रोणाचार्य कैप्टन हवा सिंह बॉक्सिंग अकादमी में कोचिंग दे रहे हैं। वहीं संजय श्योराण की पत्नी मुकेश रानी भी बास्केटबॉल की खिलाड़ी रही हैं और एशियाई चैंपियनशिप में पदक विजेता हैं। संजय श्योराण के 2 बच्चे हैं। जिनमें बड़ी बेटी नूपुर श्योराण बॉक्सिंग के साथ-साथ पढ़ाई कर रही हैं। वह अब यूपीएससीकी भी तैयारी कर रही हैं। पहले वह वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में भी खेलीं, लेकिन 5वें नंबर पर रहीं।

खेलो इंडियाः अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान किया

# मन की बात में दिव्यांग खिलाड़ियों को PM मोदी का संदेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। साथ ही खेलो इंडिया पैरा गेम्स के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। पीएम ने सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें भी कीं। उन्होंने हाल ही में हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स को लेकर बातचीत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, कुछ ही दिन पहले संपन्न हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में एक बार फिर खिलाड़ियों ने अपनी लगन और प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया। इस बार पहले से ज्यादा खिलाड़ियों ने इन खेलों में हिस्सा लिया। इससे पता चलता है कि पैरा स्पोर्ट्स कितना चर्चित हो रहा है।

### पीएम मोदी ने इन राज्यों को दी बधाई

पीएम मोदी ने कहा, मैं खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने वाले सभी दिव्यांग खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। हरियाणा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। इन खेलों के दौरान हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाए। जिनमें से 12 तो हमारी महिला खिलाड़ियों के नाम रहे।

### पीएम मोदी ने फिटनेस पर भी की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने फिटनेस पर भी बात की। उन्होंने दिल्ली में हुए एक आयोजन का जिक्र करते हुए कहा, दिल्ली में एक भव्य आयोजन ने लोगों को बहुत प्रेरणा दी है, जोश से भर दिया है। एक इनोवेटिव आइडिया के रूप में पहली बार फिट इंडिया कार्निवाल का आयोजन किया गया। इसमें अलग अलग क्षेत्रों के करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इन सभी का एक ही लक्ष्य था- फिट रहना और फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाना।

### स्वदेशी खेलों को भी मिल रहा बढ़ावा

पीएम मोदी ने कहा, हमारे स्वदेशी खेल अब लोकप्रिय संस्कृति के रूप में घुल मिल रहे हैं। मशहूर रैपर हनुमानकाइंड को तो आप सभी जानते ही होंगे। आजकल उनका नया गाना रन इट अप, काफी चर्चा में है। इसमें कलारिपयट्टू, गतका और थांग-ता जैसी हमारी पारंपरिक मार्शल आर्ट्स को शामिल किया गया है।

# डब्ल्यूटीटी के अंतिम-16 मैच में हार के साथ शरत कमल ने पेशेवर टीटी करियर को कहा अलविदा, हुए भावुक

**चेन्नई, एजेंसी।** शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर शनिवार को डब्ल्यूटीटी स्टार कटेंडर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन स्नेहित सुरवज्जुला से हारने के साथ खत्म हो गया। शरत के खिलाफ वाइल्ड कार्ड धारक स्नेहित ने लगातार तीन गेम में 11-9, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की।

### शरत कमल ने क्या कहा?

शरत ने बाद में मिस्र के उमर अस्सार के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला जिसमें दर्शकों को उनके असाधारण कौशल की एक और झलक देखने को मिली। शरत ने अपने विदाई संबोधन में कहा, कहीं ना कहीं मुझे लगा कि यह काफी है और मैं कोर्ट के दूसरी तरफ से खेल को कुछ वापस देने की संभावना तलाशना चाहता था। 42 वर्षीय शरत ने कहा कि वह प्रशासनिक भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर अपना काम कर दिया है, मुझे लगता है कि मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए काफी योगदान दिया है और मैं एक प्रशासक, या एक कोच, एक मेंटर या फिर एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर भी योगदान देना चाहता हूं।

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था।

बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

शरत राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के सबसे सफल एथलीट्स के मामले में तीसरे स्थान पर हैं। उनसे ज्यादा सिर्फ जसपाल राणा (शूटिंग) और समरेश जंग (शूटिंग) ने पदक जीते हैं। जसपाल के नाम राष्ट्रमंडल खेलों में 15 पदक (9 स्वर्ण) और समरेश के नाम 14 पदक (7 स्वर्ण) हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के अलावा शरत एशियन गेम्स में दो पदक जीत चुके हैं। 2018 में जकार्ता एशियन गेम्स में मेन्स टीम और मिक्स्ड डबल्स इवेंट में शरत कमल ने कांस्य जीता था। इसके अलावा वह एशियन चैंपियनशिप्स में दो कांस्य भी जीत चुके हैं। 2021 दोहा एशियन चैंपियनशिप्स में कांस्य जीता था।

गिल के फैसले ने सभी को चौंकाया

# आईपीएल में राशिद खान के साथ पहली बार किसी कप्तान ने किया ऐसा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस ने जीत का खाता खोल लिया है. 29 मार्च को मुंबई के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने 36 रनों से बाजी मारी. ये मैच गुजरात के गेंदबाजों के नाम रहा, जिन्होंने काफी किफायती गेंदबाजी की और टारगेट को डिफेंड किया. हालांकि, इस मुकाबले के दौरान गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. उन्होंने अपने सबसे अहम गेंदबाज राशिद खान का इस मैच में काफी कम इस्तेमाल किया. राशिद खान टी20 के काफी सफल विकेट टेकिंग गेंदबाज हैं. उनके 4 ओवर सामने वाली टीम के लिए किसी आफत से कम नहीं होते हैं. लेकिन इस मुकाबले में एक अलग ही नजारा देखने को मिला. दरअसल, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कुल 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया. जिसमें राशिद खान का नाम भी शामिल था. मगर, उन्हें 20 ओवर के मैच में सिर्फ 2 ओवर ही गेंदबाजी करने का मौका मिला. इस दौरान राशिद खान ने 5 की इकॉनमी से 10 रन खर्च किए और कोई भी विकेट हासिल नहीं किया.

## राशिद खान का आईपीएल करियर

राशिद खान ने साल 2017 में सनराइजर्स हैदराबाद से साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और 2022 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा बने थे. इस दौरान वह कुल 123 मैच खेल चुके हैं. इस मैचों में उन्होंने 6.86 की इकॉनमी से 150 विकेट लिए हैं. वहीं, बतौर बल्लेबाज उन्होंने 551 रन भी बनाए हैं, जिसमें कुछ मैच विनिंग पारियां भी हैं. इसके अलावा वह अपने करियर में अभी तक 464 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 635 विकेट लिए हैं.

बता दें, राशिद खान साल 2017 से आईपीएल में खेल रहे हैं. इस दौरान वह कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेल चुके हैं. लेकिन उनके आईपीएल करियर में ये पहला मौका था जब किसी पारी में पूरे 20 ओवर फेंके गए हों और उन्हें 4 ओवर गेंदबाजी करना का मौका नहीं मिला. इससे पहले उन्होंने हर बार अपने कोटे के 4 ओवर फेंके थे. हालांकि, गिल का ये फैसला टीम के काम आया और वह इस मैच को अपने नाम करने में कामयाब रहे.

# हार्दिक पांड्या को लगा झटका, एक गलती से 12 लाख रुपए की चपत लगी

**अहमदाबाद, एजेंसी।** मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मैच में उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियन्स को शनिवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टाइटंस के खिलाफ 36 रन से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल ने रविवार को एक बयान में कहा, 'मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के नौवें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के न्यूनतम ओवर गति से जुड़े अपराधों से संबंधित नियम 2.2 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अहमदाबाद की काली मिट्टी वाली पिच पर 196 रन बनाए। मुंबई इंडियन्स को लक्ष्य का पीछा करते हुए संघर्ष करना पड़ा और अंततः टीम छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। गुजरात ने मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की। यह मुंबई इंडियन्स की लगातार दूसरी हार थी और टीम ने अभी अंकों का खाता नहीं खोला है।

# मोहम्मद सिराज ने रोहित शर्मा को बोल्ड किया तो खड़ा हो गया नया विवाद!

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते शनिवार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस का मैच खेला गया. गुजरात ने अपने होम ग्राउंड पर एमआईको 36 रनों से हरा दिया है. मगर गुजरात की इस जीत से ज्यादा रोहित शर्मा का एक पुराना बयान चर्चा में है. दरअसल कप्तान रोहित समेत भारतीय टीम मैनेजमेंट का कहना था कि सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी गेंदबाजी नहीं कर पाते. इस कारण सिराज को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के स्क्वाड से बाहर रखा गया था. मगर आईपीएल 2025 के मैच में जब सिराज ने रोहित शर्मा को क्लीन बोल्ड किया तो सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है.

### रोहित शर्मा क्लीन बोल्ड

मुंबई इंडियंस को 197 रनों का लक्ष्य मिला था. जवाब में मुंबई इंडियंस के लिए रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ओपनिंग करने आए थे. गुजरात के लिए गेंदबाजी की शुरुआत मोहम्मद सिराज ने की थी. रोहित ने उनके ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार 2 चौके लगाए. मगर चौथी गेंद पर हिटमैन चकमा खा गए और क्लीन बोल्ड हो गए. बता दें कि इससे पहले आईपीएल 2025 के अपने शुरुआती मैच में रोहित चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शून्य के स्कोर पर आउट हो गए थे.

### छिड़ गई तीखी बहस, हुआ विवाद

चूंकि रोहित शर्मा ने कहा था कि मोहम्मद सिराज पुरानी गेंद से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं. अब उसी गेंदबाज ने रोहित को चारों खाने चित्त करके क्लीन बोल्ड किया है. इस विषय पर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. कुछ लोगों का कहना है कि सिराज ने यह विकेट लेकर अपना बदला पूरा किया है. वहीं एक व्यक्ति ने रोहित पर तंज कसते हुए कहा कि रोहित नई गेंद के खिलाफ ज्यादा प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं. आपको याद दिला दें कि आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करने से पूर्व एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोहम्मद सिराज से रोहित शर्मा के बयान के संदर्भ में सवाल पूछा गया था.

# गुलवीर सिंह ने अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, 10 हजार मीटर दौड़ में हासिल की उपलब्धि

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने अमेरिका में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के टूर्नामेंट द टेन प्रतियोगिता में 10 हजार मीटर दौड़ में 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर अपना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड 27 मिनट 14.88 सेकेंड का था जिसे उन्होंने पिछले साल नवंबर में जापान के हाचियोजी में बनाया था।

बैंकॉक में 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले 26 वर्षीय गुलवीर ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने जापान में इसे बेहतर करने से पहले मार्च में कैलिफोर्निया के सैन जुआन कैपिस्ट्रानो में 27 मिनट 41.81 सेकेंड का समय लिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, ''गुलवीर सिंह ने 27 मिनट 00.22 सेकेंड का समय लेकर 10 हजार मीटर के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। वह शनिवार को अमेरिका में द टेन प्रतियोगिता में छठे स्थान पर रहे। उत्तर प्रदेश के रहने वाले गुलवीर ने पिछले साल 13 मिनट 11.82 सेकेंड के साथ 5000 मीटर में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

# देवरा मे आदिवासी छात्रावास के सामने धधक रहा अवैध ईट का भट्ठा, जिम्मेदार कर रहे अवैध वसूली

## कोतवाली थाना क्षेत्र में अवैध भट्ठों की भरमार, खप रहा अवैध कोयला, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग मौन

**सिंगरौली।** ऊर्जाधानी में पर्यावरण संरक्षण के लिए भले ही लाल ईंटों पर प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन कोतवाली से महज 3 किलोमीटर दूर सरकारी जमीन पर भट्ठा का लाखों का कारोबार खुले आम चल रहा है। यह अवैध कारोबार एनजीटी के आदेश को भी चुनौती दे रहे हैं। ईंट बनाने के लिए न केवल सरकारी जमीन खोदी गई है, बल्कि शहर के बीच से निकली काचन नदी को खोदकर उसका भी स्वरूप बिगाड़ दिया गया है। कई बार शिकायत होने के बाद भी प्रशासन सख्त कार्रवाई नहीं कर रहा है। ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

गौरतलब है कि नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 29 देवरा पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कलेक्ट्रेट से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां सैकड़ो एकड़ सरकारी जमीन है। जहां सत्ता से जुड़े लोग अवैध रूप से कब्जा कर काचन नदी से लगी इस जमीन पर सालों से ईंट बनाने का कारोबार कर रहे हैं। डर और भय के कारण वार्ड के लोग इनके विरोध में खड़े नहीं हो पाते। यहां तक कोई भी खुलकर शिकायत करने से डरता है। इसका फायदा उठाकर माफिया कई सालों से न केवल सरकारी जमीन से मिट्टी का खनन कर बेच रहे बल्कि मिट्टी की खोदाई कर लाखों की संख्या में ईंटें बनाई गई हैं। इसके बावजूद अब तक इन अवैध कारोबारियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि देवरा बीट में तैनात पुलिसकर्मी ईट्टा भट्टा कारोबारी से अवैध वसूली करते हैं। वही प्रदूषण नियंत्रण अमला दफ्तर में बैठकर प्रदूषण कम करने के दावा कर रहा है। जबकि ईटा भट्ठे जमीनी हकीकत बयां कर रहे हैं। जब यह हाल शहर में है तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि गांव की क्या स्थिति होगी।

एनसीएल की खदानों से साइकिल और मोटरसाइकिल से खुलेआम कोयला बोरों में भरकर ईटा भट्ठा में पहुंचाया जा रहा है। तीन सौ रुपये से लेकर चार सौ रुपये प्रति बोरे की दर से कोयला खरीदा जा रहा है। अवैध कोयला ले जाते कोतवाली पुलिस भी देखती है लेकिन सुविधा शुल्क लेकर कोयला चोरों के खिलाफ पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती।

फ्लाईऐश के अधिक से अधिक उपयोग की नीति लागू है। फ्लाईऐश की ईंट के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा। जिससे ऐश की मांग बढ़ेगी और फ्लाईऐश से होने वाले प्रदूषण से मुक्ति मिले। लेकिन शहरी क्षेत्र का हाल यह है कि यहां ईटा भट्ठा धधक रहे हैं। भट्ठों में ईंट को पकाने के लिए हरे भरे पेड़ की कटाई आम बात है। इसके साथ ही कोयले का उपयोग करते हैं। इससे जहरीली गैस और डस्ट निकलते है। इसके कारण लोगों को स्वांस संबंधी समस्या आती है। इन्ही कारण से कभी-कभी तो लोगों का अपने घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। छतों में खाने का सामान और कपड़े सूखा नहीं सकते हैं।

# हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में शिवसेना ने धूमधाम से निकाली झंडा यात्रा, लोगों की उमड़ी भीड़

**सिंगरौली।** हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्र के उपलक्षय में बीते दिवस रविवार को शिवसेना जिला इकाई सिंगरौली द्वारा उपराज्य प्रमुख सुरेंद्रनाथ दुबे एवं जिला प्रमुख रामदयाल पांडे के नेतृत्व में झंडा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या से ऊपर लोग शामिल हुए यह झंडा यात्रा शिवसेना कार्यालय तेलगवा से प्रारंभ होकर तेलगवा तिराहा से होते हुए नहर के किनारे किनारे गांव के बीचो-बीच गुजरते हुए गांव के हि डीह बाबा के प्रांगण में जाकर समाप्त हुई इस झंडा यात्रा में भगवा झंडा लिए सैकड़ो की संख्या में शिव सैनिक एवं आमजन शामिल हुए डीजे की थाप पर झंडा यात्रा में शामिल शिव सैनिकों ने जय भवानी जय श्री राम के नारे लगाएं जिससे पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा तदोपरांत सभी के बीच प्रसाद वितरित किया गया इस अवसर पर उपराज् प्रमुख एसएन दुबे एवं जिलाप्रमुख रामदयाल पांडे ने सभी को हिंदू नव वर्ष और नवरात्रि की शुभकामनाएं दी जिला प्रमुख रामदयाल पांडे ने कहा की शुभ संयोग है कि चैत्र नवरात्र दुर्गा पूजा का शुभारंभ इस बार 30 मार्च रविवार से हो रहा है इस दिन से हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत का आरंभ भी हो रहा उन्होंने सिंगरौली जिले सहित पूरे देश में अमन बहाली खुशहाली व आपसी भाईचारा कायम रहने की कामना की। झंडा यात्रा दौरान राष्ट्रभक्ति एवं भक्ति गीतों पर सभी खूब झूमे इस अवसर पर युवा सेना जिला संगठन प्रमुख श्याम तिवारी एवं युवा सेना जिला अध्यक्ष संदीप रवानी ने कहा कि यह दिन हिंदुत्व को गौरवान्वित करने वाला दिन है हमें सनातन धर्म और हिंदुत्व विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए जात-पात से ऊपर उठकर सभी हिंदुओं को एकजुट होना है इसी संदेश के साथ बीते दिवस हिंदू नव वर्ष पर शिवसेना द्वारा यह झंडा यात्रा निकाली गई है।

# एनसीएल ब्लॉक-बी परियोजना ने ग्राम सोलंग में लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

**सिंगरौली।** एनसीएल की ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत ग्राम सोलंग में नि: शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. सुरोजीत सेन शर्मा, ब्लॉक-बी परियोजना तथा डॉ.ओम शर्मा, केंद्रीय अस्पताल सिंगरौली ने विभिन्न समस्याओं के आधार पर उपस्थित लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर के दौरान 160 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही उपस्थित लोगों को निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी (सीएसआर), ब्लॉक-बी तथा परियोजना से अन्य अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। गौरतलब है कि एनसीएल की सभी परियोजना एवं इकाइयों द्वारा समय-समय पर सीएसआर के तहत ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इस से पूर्व एनसीएल की ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा सीएसआर के तहत ग्राम मुहेर, ग्राम एंगुरा, ग्राम महदेइया, ग्राम पडरी एवं ग्राम नौढिया में ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। एनसीएल ब्लॉक-बी परियोजना द्वारा मार्च 2025 में सीएसआर के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से स्थानीय क्षेत्र में चिकित्सा सुविधायें प्रदान की गयी जिसमें 1000 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है।

# जन सहभागिता से जल स्रोतो को सहेजने के लिए जल गंगा सर्वधन अभियान का हुआ शुभारंभ

## पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने ग्राम पंचायत खरकटा से अभियान को दिया मूर्तरूप

**सिंगरौली।** जन सहभागीता से जल स्त्रोतो को सहेजने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ नव सवत्सर एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर सिंगरौली जिले के सभी जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायतों में जन सहभागीता के माध्यम से अभियान को मूर्त रूप दिया गया। वही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में ग्राम पंचायत खरकटा से अभियान को मूर्तरूप दिया गया। वही प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा उज्जैन स्थित शिप्रा नदी तट पर वरूण पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुएं प्रदेश की राज्य मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि जनभागीदारी से हम सब मिलकर जल संग्रह संरचनाओं के निर्माण पूर्व में मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार मरम्मत जल स्त्रोतो में प्रदूषण के स्तर को कम करने जल वितरण की संरचनाओं की साफ सफाई तथा मानसून में किए जाने वाले पौधारोपण हेतु व्यापक स्तर की हम सबको तैयार करना हैं। तथा अपने आस पास के नदी तालाबो की साफ सफाई गहरीकरण कर पानी का स्टोरेज करना होगा।राज्यमंत्री ने जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि बोरी बंधन एवं चयनित कर अमृत सरोवरो का निर्माण, खेत तालाबो का निर्माण पुराने तालाबो चेकडैम वा स्टाप डैम का सर्वेक्षण कर जीर्णोद्धार के साथ साथ प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यो को अभियान के दौरान पूर्ण कराए। उन्होने कहा कि चौपाल आयोजित कर आम जन मानस को जल संग्रहण के लिए जागृत करे। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक निरंतर चलता रहेगा। उन्होंने सभी जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणो से अपील किया कि इस अभियान में बड़चड़कर भागीदारी करे। ताकि पानी का भण्डारण हो सके तथा पेयजल की समस्या का निदान हो सके। अभियान के दौरान ग्राम पंचायतों में हर्षोउल्लास के साथ कलश यात्रा निकालकर पानी रोको अभियान के लिए जन जागृति किया गया।

# वार्ड 31 ढोटी में किए गए अवैध अतिक्रमण पर फिर चला निगम का बुलडोजर

**सिंगरौली।** नगर पालिक निगम सिंगरौली के वार्ड क्र. 31ढोटी में खसरा क्रमांक 38/1 और 38/2, अवैध अतिक्रमण कर निर्माण किया गया था। उक्त जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने हेतु उच्च न्यायालय जबलपुर के द्वारा नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा को अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु निर्देशित किया गया था। कई बार न्यायालय द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही म.प्र. नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 303 एवं 307 के प्रावधान अनुसार निगम द्वारा अवैध कब्जा हटाने की कार्यवाही की गई। ज्ञात हो कि यह इस सप्ताह में अतिक्रमण को लेकर दूसरी बड़ी कार्यवाही है। जिला प्रशासन ,नगरपालिका निगम एवं पुलिस बल द्वारा अतिक्रमण हटाया गया। इसका नेतृत्व एसडीएम सृजन वर्मा, आयुक्त ननि डीके शर्मा ,तहसीलदार सविता यादव , अर्चना द्विवेदी थाना प्रभारी विंध्यनगर द्वारा किया गया। नगर निगम अतिक्रमण दस्ते में अतिक्रमण अधिकारी डीके सिंह, एसडीओ प्रवीण गोस्वामी, उपयंत्री विशाल खत्री, जितेंद्र , विपिन तिवारी, विषाणुपाल उपस्थित रहे।

# हिंडालको महान विस्थापित कॉलोनी मझिगवां के विद्यालय का शानदार परीक्षा परिणाम, 97 फीसदी छात्र हुए उत्तीर्ण

**सिंगरौली।** हिंडालको महान विस्थापित कॉलोनी मझिगवां में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विद्यालय ने शानदार प्रदर्शन किया। कुल 460 विद्यार्थियों में से 447 छात्र सफल रहे, जिससे विद्यालय का परीक्षा परिणाम 97 फीसदी रहा। इस उपलब्धि को सम्मानित करने के लिए परीक्षा परिणाम घोषणा एवं मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

हिंडालको महान अपने विस्थापित परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए नि:शुल्क शिक्षा, गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, कोचिंग एवं छात्रवृत्ति प्रदान करता है। यह पहल न केवल बच्चों के शैक्षिक भविष्य को संवारने में मददगार है, बल्कि उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। विद्यालय के आचार्य गोपाल विश्वकर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर सीएसआर प्रमुख संजय सिंह और आर एंड आर प्रभारी विजय प्रकाश वैश्य उपस्थित रहे। समारोह में उदय से नवम कक्षा तक 97 फीसदी विद्यार्थियों के सफल होने की घोषणा की गई। साथ ही, प्रत्येक कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले तीन-तीन मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।अपने संबोधन में हिंडालको महान के सीएसआर प्रमुख संजय सिंह ने परीक्षा के महत्व और शिक्षा के जीवन में प्रभाव पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो निरंतर प्रयास करते हैं और अपने सपनों को साकार करने के लिए मेहनत करते हैं। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए शिक्षा को आत्मनिर्भरता और समाज में बदलाव लाने का सबसे प्रभावी साधन बताया।कार्यक्रम के अंत में आर एंड आर प्रभारी विजय प्रकाश वैश्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस आयोजन की सफलता में विद्यालय के आचार्य बंधुओं सहित भोला वैश्य और प्रभाकर वैश्य का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम ने छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के प्रयासों को दर्शाया है। यह सफलता विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है और शिक्षा के प्रति उनके उत्साह को और अधिक मजबूत करती है।

# जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ, जुड़वा तालाब से हुई सफाई की शुरुआत

**सिंगरौली।** मध्यप्रदेश में रविवार से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की गई, जो 30 जून तक चलेगा। इस अभियान की शुरुआत सिंगरौली जिले में जुड़वा तालाब की सफाई से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य न केवल जल स्रोतों की सफाई करना है, बल्कि लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने मिलकर स्वच्छता शपथ ली और भविष्य में जल स्रोतों की रक्षा के लिए सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, पूर्व विधायक देवसर सुभाष वर्मा, नगर निगम महापौर श्रीमती रानी अग्रवाल, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, विकास प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, वार्ड 40 पार्षद श्रीमती सीमा जायसवाल, वार्ड 12 पार्षद संतोष शाह,वार्ड 19 पार्षद आशीष बैस, वार्ड 21 पार्षद कमलेश वर्मा, वार्ड 38 पार्षद अनिल बैस की प्रमुख उपस्तिथि रही। नगर पालिक निगम से उपायुक्त आरपी बैस,अभियान के नोडल अधिकारी संतोष पांडेय, एसडीओ एसएन द्विवेदी, स्वच्छता निरीक्षक संतोष तिवारी सहित अधिकारी कर्मचारी, समाजसेवी संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

# जिले भर में सुना गया प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम का 120वां भाग

**सिंगरौली।** प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 120वां भाग जिले भर के बूथों पर सुना गया। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शक्ति केन्द्र 24 नवानगर के बूथ क्रमांक 79 पर उपस्थित रहे तथा मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्रत्येक मास के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से अपने मन की बात करते हैं तथा विभिन्न सामरिक विषयों के अतिरिक्त आम जन के सामान्य बातें करते हैं जिससे उनका एक आम आदमी से जुड़ाव परिलक्षित होता है।

मन की बात कार्यक्रम के समापन पश्चात जिलाध्यक्ष ने समस्त जिलेवासियों कों वर्ष प्रतिपदा दिवस एवं चैत्र मास प्रारंभ होने पर हिंदू नव-वर्ष विक्रम संवत 2082 की बधाई दी तथा कहा कि हिंदी नव-वर्ष के साथ-साथ ही हमारी चैत्र मास की नवरात्रि प्रारम्भ होती है जिससे लिए समस्त जिलेवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं हैं। जिलाध्यक्ष ने अंत में बूथ क्रमांक 79 एवं 80के बूथ समितियों की बैठकें ली तथा सांगठनिक विषयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मन की बात कार्यक्रम की प्रभारी एवं जिला मंत्री पूनम गुप्ता मंडल अध्यक्ष बैढ़न सौरभ गुप्ता, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौबे, महामंत्री रवि चौरसिया, शक्ति केन्द्र संयोजक राम नरेश त्रिपाठी, पार्षद सावनमती कुशवाहा, पार्षद कमलेश वर्मा, बूथ अध्यक्ष भरतलाल गुप्ता, विवेक सोनी एवं बूथों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में विक्रमोत्सव का हुआ आयोजन

## सुनील रावत एवं उनके दल के द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाटक का किया गया मंचन

**सिंगरौली।** मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार जिले के अटल सामुदायिक भवन बिलौजी मे राज्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह के मुख्य अतिथि में एवं सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधायक राजेन्द्र मेश्राम, कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला, प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह के गरिमामय उपस्थिति में अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में विक्रमोत्सव का आयोजन:सूर्य उपासना और ब्रह्म ध्वज की हुई, स्थापना समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ।

उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुयें राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने नव वर्ष की हार्दिक शुभकामना देते हुयें कहा कि भारत के इतिहास में सम्राट विक्रमादित्य का नाम स्वर्ण अंक्षरो में लिखा गया है। सम्राट विक्रमादित्य पराक्रमी एवं न्यायप्रिय शासक से थे। उनके नाम पर भी ही विक्रम संवत का प्रचलन हुआ जो आज भी भारतीय पंचाग का एक प्रमुख संवत है। संम्राट विक्रमादित्य के शासन की प्रसंशा केवल भारत में ही नही विदेशी ग्राथो में मिलती है। संम्राट विक्रमादित्य एक शासक ही नही अपुति भारतीय संस्कृति के प्रतीक थे। भारत वर्ष में विक्रमादित्य युग परिर्वतन और नव जागरण की एक महत्वपूर्ण धूरी रहे है और उनके द्वारा प्रवर्तित विक्रम संवत हमारी मूल्यवान धरोहर है। विधायक सिंगरौली श्री शाह ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में अपनी हार्दिक शुभकामना देते हुऐं कहा कि आज भारत का नव वर्ष विक्रम संवत का शुभारंभ हो रहा हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर मै अपने देश प्रदेश एवं अपने जिले के विकास एवं समृद्धि की कामना करता हू। उन्होंने कहा कि भारत का राष्ट्रीय प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य से बड़कर कोई और नही हो सकता जिसे लोग सहस्त्राब्दियो से सब एक मत से भारत का राष्ट्र नायक मानते रहे हैं। विक्रम युग की महिमा इस तथ्य से ज्ञात होती है कि भारत में महापुरूषो के अनुआयियों में श्रद्धावंश चलाए लेकिन आज भी भारत और साथ ही नेपाल का सर्वमान्य संवत विक्रम संवत ही है।

कार्यक्रम के दौरान जिले के कलाकार बिमल म्युजिकल ग्रुप के द्वारा भी नवरात्रि के पावन पर्व पर देवी गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान महराज विक्रमादित्य शोधपीठ स्वराज्य संस्थान संचालनालय सास्कृतिक विभाग द्वारा प्रकाशित भारत का नव वर्ष विक्रम संवत पुस्तिका का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में सुनील रावत एवं उनके साथी कालाकारो को उपस्थित अतिथियों द्वारा शाल एवं श्रीफल प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

## 'सिकंदर' की एक्ट्रेस रश्मिका कॉफी डेट पर दिखीं

# चेहरा छिपाकर निकले विजय देवरकोंडा

रश्मिका मंदाना का फिल्म करियर इन दिनों बुलंदियों पर है। अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 जैसी हिट फिल्म के बाद वह सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में नजर आई हैं। इस फिल्म में सलमान के साथ रोमांस करने का मौका रश्मिका को मिला। असल जिंदगी में भी रश्मिका के रोमांस और डेटिंग लाइफ की काफी चर्चा है। इन दिनों वह अकसर साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ देखी जाती हैं। हाल ही में दोनों को कॉफी डेट पर साथ देखा गया।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक कॉफी हाउस में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा को देखा गया। दोनों कॉफी डेट पर थे। इस जगह पर कुछ पैपराजी पर भी पहुंच गए। पैपराजी को देख रश्मिका, विजय से अलग हो गईं और दूसरे रास्ते की तरफ चली गईं।

### अलग-अलग बाहर निकले दोनों कलाकार

विजय देवरकोंडा जरूर पैपराजी के सामने से निकले लेकिन उन्होंने अपना मास्क नहीं उतारा और अपनी गाड़ी में बैठकर चले गए। कुछ देर बार रश्मिका बाहर आईं। एक्ट्रेस ने मास्क उतारकर पैपराजी को फोटो पोज दिए। इसके बाद वह भी अपनी गाड़ी से चली गईं। काफी समय से विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को डिनर डेट, कॉफी डेट पर देखा जा रहा है। लेकिन अब तक दोनों ने अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकारा नहीं किया है।

सलमान खान की 'सिकंदर' के बाद रश्मिका कुछ और फिल्में भी कर रही हैं। वह दक्षिण भारतीय फिल्म 'कुबेरा' और 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आएंगी। वहीं हिंदी फिल्म 'थामा' में भी रश्मिका

अभिनय करेंगी, इस फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

# देसी गर्ल का पिंकसिटी जयपुर में शाही स्वागत, मनमोहक तस्वीरें शेयर कर फैंस को किया खुश

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हाल ही में जयुपर पहुंची, जहां वह किसी प्रोफेशनल काम के लिए पहुंची थीं। प्रकृति से जुड़ी तस्वीरों ने उनके प्रशंसकों में उत्साह पैदा कर दिया है।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर जयपुर, राजस्थान से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज साझा किए हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फ्लाइट के अंदर से बाहर के वातावरण की एक तस्वीर शेयर की है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा खूबसूरत जयपुर। इसके अलावा उन्होंने शाही भवनों की तस्वीरें भी साझा कीं हैं। एक वीडियो में मधुर सुर में बांसुरी बजाता हुआ एक व्यक्ति दिख रहा है, जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं अभिनेत्री ने इस खूबसूरत वातावरण में एक मोर का नाचते हुए भी वीडियो शेयर किया है, जो प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाता है।

**अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर जयपुर, राजस्थान से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज साझा किए हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फ्लाइट के अंदर से बाहर के वातावरण की एक तस्वीर शेयर की है, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा खूबसूरत जयपुर। इसके अलावा उन्होंने शाही भवनों की तस्वीरें भी साझा कीं हैं। एक वीडियो में मधुर सुर में बांसुरी बजाता हुआ एक व्यक्ति दिख रहा है, जिसे उनके फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।**

प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपने पति निक जोनास और बेटी मालती से जुड़े पोस्ट शेयर करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी बेटी मालती की सोते हुए एक पोस्ट शेयर किया था। अभी कुछ महीनों पहले अभिनेत्री अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी में शामिल हुईं थी, जहां से कई खूबसूरत तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं थीं।

अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म %एसएसएमबी 29% में नजर आएंगी, जिसमें वह महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दिखेंगी। इसके अलावा प्रियंका के पास 'द ब्लफ' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी फिल्में भी हैं, जिसके तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

## एल 2 एम्पुरान के कलेक्शन में मामूली सुधार, कैसा रहा छावा-द डिप्लोमैट का हाल?

मार्च का महीना बॉक्स ऑफिस के लिए कुछ खास नहीं रहा है। इस महीने अलग-अगल शैलियों की फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाल अब तक कोई फिल्म नहीं मचा सकी। एल 2 एम्पुरान ने भले ही 21 करोड़ रुपये से अपनी शुरुआत की, लेकिन बड़े बजट के हिसाब से इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। वहीं, द डिप्लोमैट की भी रफ्तार रिलीज डेट से ही काफी धीमी रही। हालांकि, इस दौरान छावा टिकट खिड़की पर लगातार झंडे गाड़ती रही। मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म एल 2 एम्पुरान 27 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

यह फिल्म 2019 की सुपरहिट लूसिफर का सीक्वल है। इसे पृथ्वीराज सुकुमारन ने निर्देशित किया है। बड़े बजट और भारी उम्मीदों के साथ रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन ठीक-ठाक शुरुआत की, लेकिन इसके बाद इसके कलेक्शन में गिरावट देखी गई। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, जिसमें कुछ ने इसके एक्शन और ड्रामा की तारीफ की, तो कुछ ने कहानी को कमजोर बताया। रिलीज के तीन दिनों में यह फिल्म उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी, लेकिन फिर भी मलयालम सिनेमा के लिए एक बड़ा ओपनर रही। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन, टोविनो थॉमस, मंजू वॉरियर, और इंद्रजीत सुकुमारन जैसे सितारे भी नजर आए हैं। यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, जो मलयालम, हिंदी, तमिल, तेलुगू, और कन्नड़ में रिलीज हुई। भारत में %एल 2 एम्पुरान% ने दूसरे दिन 13.5 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। वहीं, तीसरे दिन फिल्म के कलेक्शन में मामूली सुधार देखने को मिला। शनिवार को फिल्म का कलेक्शन 13.5 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 46 करोड़ रुपये रह गई है। जॉन अब्राहम की %द डिप्लोमैट 14 मार्च 2025 को होली के मौके पर रिलीज हुई। यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है। इसमें जॉन एक भारतीय डिप्लोमैट की भूमिका में हैं।

## तय तारीख पर रिलीज नहीं होगी कन्नप्पा, विष्णु मांचू ने किया फिल्म में देरी की वजह का खुलासा

विष्णु मांचू की फिल्म कन्नप्पा की नई रिलीज डेट का एलान होने वाला है। पहले ये फिल्म 25 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी। फिल्म की टीम फिल्म में जरूरी सुधार कर रही है, ताकि इसे और बेहतर बनाया जा सके। फिल्म के वीएफएक्स को भी अपग्रेट किया जा रहा है। फिल्म में विष्णू मांचू लीड रोल में हैं और वह इस फिल्म के सहलेखक भी हैं। उन्होंने कहा है कि फिल्म में जरूरी सुधार होने के बाद इसके सिनेमा का अनुभव बहुत अच्छा होगा। विष्णु मांचू ने अपने अधिकारिक बयान में कहा है 'कन्नप्पा शिव के सबसे बड़े भक्त को श्रद्धांजलि है। फिल्म की टीम इस चीज के लिए मेहनत कर रही है कि फिल्म उच्चतम तकनीकी और कहानी कहने के मानकों पर खरी उतरे। फिल्म को रिलीज करने की नई तारीख का जल्द ही ऐलान होगा।' हाल ही में कन्नप्पा फिल्म को सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था। फिल्म के प्रमोशनल इवेंट के दौरान, कास्ट मेंबर रघु बाबू ने ट्रोल्स को फिल्म की आलोचना करने पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था 'अगर कोई कन्नप्पा फिल्म को ट्रोल करता है, तो उसे भगवान शिव के क्रोध और श्राप का सामना करना पड़ेगा...' यह बयान इंटरनेट यूजर्स को पसंद नहीं आया। इस पर एक यूजर ने कहा 'डर और धर्म देश में हमेशा काम आता है।' एक दूसरे यूजर ने कहा 'मैं एक शिव भक्त के तौर पर कह रहा हूं कि उनके पास इतना समय नहीं है।' कन्नप्पा के निर्देशक मुकेश कुमार सिंह हैं। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा की कथा पर आधारित है। कन्नप्पा में मुख्य भूमिका में विष्णु मांचू हैं, उनके साथ मोहन बाबू हैं। फिल्म में मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार और काजल अग्रवाल की विशेष कैमियो भूमिकाएं भी हैं।

# ब्रेकअप की खबरों के बीच प्रियंका चाहर ने साझा की पार्टी फोटो, जिबली ट्रेंड को किया फॉलो

टीवी सीरियल की एक मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चाहर और अंकित गुप्ता लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। दोनों अकसर साथ में नजर आते थे। कुछ दिन पहले इनके ब्रेकअप की खबर सामने आई। इस बात का इनके फैंस को काफी बुरा लगा है। इन खबरों के बीच ही प्रियंका चाहर ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, इसमें वह एक कॉन्सर्ट में दिख रही हैं, दोस्तों संग पार्टी कर रही हैं, खूब मस्ती कर रही हैं।

प्रियंका चाहर ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें जिबली आर्ट ट्रेंड को भी फॉलो किया है। इन दिनों लोग चैट जीपीटी के जरिए अपनी तस्वीरों को जिबली आर्ट स्टाइल में बदल रहे हैं। जिबली अंदाज में बनीं तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। प्रियंका चाहर ने भी कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की पुरानी तस्वीरों को जिबली आर्ट में बदलकर इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इन तस्वीरों में वह अपने दोस्तों संग काफी खुश नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को प्रियंका के फैंस ने भी लाइक किया है। साथ ही कुछ यूजर्स ने लिखा है कि प्रियंका जिबली तस्वीरों में बहुत प्यारी लग रही हैं।

प्रियंका चाहर और अंकित गुप्ता का ब्रेकअप हो चुका है, इस बात पर मुहर इसलिए लग रही है क्योंकि पहले ये दोनों एक सीरियल 'तेरे हो जाएं हम' में साथ काम करने वाले थे। लेकिन अब इस शो से अंकित ने खुद को अलग कर लिया है। इसी बात से फैंस ने अंदाजा लगा लिया है कि प्रियंका और अंकित की राहें अब जुदा हो चुकी हैं।

प्रियंका चाहर और अंकित गुप्ता के रिश्ते की बात करें तो इनकी मुलाकात 'बिग बॉस 16' में हुई। इस रियालिटी शो के दौरान ये नजदीक आए। शो से बाहर आने के बाद साथ-साथ दिखते रहे। लेकिन हमेशा एक-दूसरे को अच्छा दोस्त बताते थे। कभी भी अपने रिश्ते को खुलकर स्वीकार नहीं किया। अब इनके अलग होने की खबर सामने आई तो इस पर भी दोनों ने चुप्पी साध रखी है।

# हीरामंडी से मशहूर होने के बाद भी अभिनेत्री को नहीं मिला काम, फिल्मों का पड़ गया था सूखा

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म हीरामंडी ने अदिति राव को उनकी गजगामिनी चाल के लिए खास पहचान दिलाई। अभिनेत्री की कई जानी मानी हस्तियों को साथ तुलना की जाने लगी। इतना होने के बावजूद भी अदिति को फिल्मों के लिए करना पड़ा संघर्ष। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव कोरियोग्राफर फराह खान के यूट्यूब चैनर पर पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने अनुभवों का शेयर किया। फराह ने उनके हीरामंडी फिल्म में गचगामिनी चाल से इंटरनेट पर सनसनी मचा देने वाली बात कही। इसपर अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें एक खास मुकाम पर पहुंचा दिया था। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें लगा कि फिल्म में बंपर सफलता से उनके पास काम की लाईन लगा जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। वह सोच में पड़ गई थी, यह उनके लिए फिल्मों का सूखा जैसा अनुभव था। फराह ने

मजाक में पूछा अच्छा तो इसी समय आपने शादी कर ली थी तो, अदिति ने कहा कि उन्होंने सिद्धार्थ से उसी दौरान पिछले साल शादी कर ली थी। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी फिल्म हीरामंडी साल 2024 में रिलीज हुई थी। अदिति ने फिल्म में बिब्बोजान का किरादार निभाया था। फिल्म में 1940 के दशक में वैश्याओं और हीरामंडी की सांस्कृतिक वास्तविकता को दर्शाया गया था। इस फिल्म में अदिति के अलावा मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, फरदीन खान, रिचा चड्ढा, जैसे कई कलाकार मौजूद थे। अभिनेत्री राव की फिल्मों की बात करें तो अदिति अपनी आगामी फिल्म रोमांटिक ड्रामा में नजर आने वाली हैं, जिसके शीर्षक की अभी घोषणा नहीं हुई है। इसमें वह अविनाश तिवारी के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली कर रहे हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

# बेहद ही मनमोहक है मध्यप्रदेश का यह गांव, मिलेंगे सुकून के पल

## लोक परंपराओं और संस्कृति का है अद्भुत मिश्रण

**छिंदवाड़ा।** मध्य प्रदेश को हिंदुस्तान का दिल कहा जाता है, और यह अपनी समृद्ध संस्कृति, अद्भुत परंपराओं, और ऐतिहासिक धरोहर के कारण देश-विदेश में प्रसिद्ध है। यहाँ के पर्यटन स्थल, बोली और रीति-रिवाज दुनिया भर में अपनी खास पहचान बना चुके हैं। मध्य प्रदेश न केवल धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सुंदरता से भी भरपूर है।

अगर हम मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की बात करें तो पचमढ़ी, खजुराहो, महेश्वर, ओरछा और सांची जैसे स्थानों का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। लेकिन इसके अलावा, यहाँ के ग्रामीण इलाकों की भी अपनी एक अलग खूबसूरती है, जो हर पर्यटक को आकर्षित करती है। मध्य प्रदेश के गांवों में आपको संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक सुंदरता की अनूठी झलक देखने को मिलती है। तो आइए, आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताते हैं, जो न सिर्फ देश, बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध है।

अगर हम मध्य प्रदेश के सबसे खूबसूरत गांव की बात करें तो वह है सावरवानी। यह गांव सिर्फ अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति के लिए भी प्रसिद्ध है। सावरवानी ने साल 2024 में सर्वश्रेष्ठ टूरिज्म विलेज का पुरस्कार भी जीता है, जो इस गांव की महत्वता को और भी बढ़ाता है। इस गांव की खास बात यह है कि यहाँ की संस्कृति और परंपराएं आज भी पूरी तरह से जीवित हैं, और पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव देती हैं।

### सावरवानी गांव कहां स्थित है?

सावरवानी गांव छिंदवाड़ा जिले के अंतर्गत आता है, जो मध्य प्रदेश के एक खूबसूरत और शांतिपूर्ण क्षेत्र में स्थित है। यह गांव अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों और अद्भुत दृश्यावलियों के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटक यहाँ आकर न सिर्फ ग्रामीण जीवन को करीब से देख सकते हैं, बल्कि यहाँ की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का भी अनुभव कर सकते हैं।

### लोक परंपराओं और संस्कृति का अद्भुत मिश्रण

सावरवानी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ आकर आप आदिवासी लोक संस्कृति के बारे में गहरे से जान सकते हैं। विभिन्न जातियों, समुदायों और लोक परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना यहाँ एक अद्वितीय अनुभव है। इस गांव में कई पारंपरिक त्यौहार, नृत्य और संगीत कार्यक्रम होते हैं, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं। यहाँ के लोग अपनी आदिवासी परंपराओं को बहुत गर्व से निभाते हैं, और पर्यटकों को इन्हें दिखाने में भी बहुत खुशी महसूस करते हैं।

### प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लें

सावरवानी गांव के आसपास खूबसूरत जंगल और पहाड़ हैं, जो न केवल स्थानीय लोगों के जीवन का हिस्सा हैं, बल्कि पर्यटकों को भी बहुत आकर्षित करते हैं। यहाँ के घने जंगलों में विभिन्न प्रकार के पौधे, फूल और जानवर पाए जाते हैं, जो प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ का मौसम भी बहुत अच्छा रहता है, जो हर मौसम में सावरवानी को घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह बनाता है।

### पारंपरिक खाने का अनूठा स्वाद

सावरवानी गांव में आने के बाद आप न सिर्फ यहाँ की संस्कृति और परंपराओं को महसूस कर सकते हैं, बल्कि यहाँ के स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इस गांव के खानपान का तरीका बहुत ही विशिष्ट है। यहाँ के व्यंजन पुराने पारंपरिक तरीके से चूल्हे और भट्टी पर बनाए जाते हैं, जो स्वाद में एकदम अद्भुत होते हैं। यहाँ के लोकल व्यंजन, जैसे कि भाकरी, सत्तू और क्षुप्रास की सब्जी आपको हर किसी की जुबां पर चढ़ जाएंगे। ये पारंपरिक व्यंजन न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि यह इस क्षेत्र की संस्कृति और रीति-रिवाजों की भी साक्षात तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

# चीन की तारीफ में छुपी है चेतावनी... अलग लेवल पर खेल रहा है ड्रैगन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गुरुग्राम के विश्लेषक सिद्धार्थ ओझा ने चीन की कूटनीति पर कई दिलचस्प बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आपकी तारीफ करता है तो यह आपकी सफलता से ज्यादा उसकी रणनीति के बारे में बताता है। हाल ही में चीनी सरकार के समर्थन वाले ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर की गई टिप्पणी को व्यावहारिक नजरिया बताया था। ओझा ने इस तारीफ के पीछे छिपे चीन के इरादों को उजागर किया है। उन्होंने लिंक्डइन पर बताया कि चीन की तारीफ में अक्सर एक चेतावनी छिपी होती है। ओझा के अनुसार, चीन की तारीफ के पीछे तीन मुख्य कारण हो सकते हैं। पहला, चीन मानता है कि जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अब सीएनपी (समग्र राष्ट्रीय शक्ति) के युग में पुरानी हो चुकी है। दूसरा, चीन रणनीतिक चालों के जरिये तारीफ का इस्तेमाल हथियार के रूप में कर सकता है। तीसरा, चीन को अपनी श्रेष्ठता पर पूरा भरोसा है, जो कि अहंकार से भरा हुआ है और जल्द ही टूट सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में भारत और चीन के बीच स्वस्थ और स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा की बात की थी। उन्होंने 2020 के सीमा विवाद को स्वीकार करते हुए कहा था, राष्ट्रपति शी के साथ मेरी मुलाकात के बाद हमने सीमा पर सामान्य स्थिति देखी है। हम 2020 से पहले की स्थितियों को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। ओझा ने लिखा, वैश्विक शक्ति के खेल में चीन की कूटनीतिक प्रशंसा अक्सर छिपाने से ज्यादा प्रकट करती है। उनका मानना है कि चीन का ध्यान अब डॉलर-आधारित जीडीपी की तुलना से हटकर नियंत्रण और शक्ति के गहरे स्तरों पर चला गया है। ओझा ने कहा, डॉलर में जीडीपी यह भोले लोगों के लिए एक भ्रम है। उन्होंने बताया कि चीन अब एक अलग ही स्तर पर खेल रहा है। विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए ओझा ने बताया कि 2020 में चीन की जीडीपी क य शक्ति समानता के मामले में 27.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह अमेरिका के 21.4 ट्रिलियन डॉलर से काफी आगे है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि चीन तकनीकी संप्रभुता पर जोर दे रहा है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के अनुसार, 2020 में चीन ने 15 लाख से अधिक पेटेंट आवेदन दाखिल किए, जो एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), क्वांटम कंप्यूटिंग और 5जी जैसे इनोवेशन क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाने की स्पष्ट मंशा दिखाता है।

## सरकार ने अधिग्रहित किए वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये के नए शेयर, हिस्सेदारी बढ़कर होगी 48.99 प्रतिशत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने रविवार को नियामक फाइलिंग को बताया कि सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। यह कदम बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों के एवज उठाया गया है। इसके तहत सरकार वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर अधिग्रहण करेगी। वर्तमान में कर्ज से जूझ रही वोडाफोन आइडिया में सरकार की 22.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस नए अधिग्रहण के बाद यह कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक बन गई है। वोडाफोन आइडिया अब अगले 30 दिनों में 3,6950 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी।

दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधार और समर्थन पैकेज के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों (जिसमें स्थगित भुगतान भी शामिल हैं) को इक्विटी में बदलने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया में कुल 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा। दूरसंचार मंत्रालय ने 29 मार्च को इस संबंध में आदेश जारी किया था। जिसके तहत ये शेयर सरकार को स्थानांतरित किए जाएंगे।

वोडाफोन आइडिया ने बताया कि उसे 10 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर कुल 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश संबंधित प्राधिकरणों, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) भी शामिल है। कंपनी ने कहा, इस इक्विटी शेयर के जारी होने के बाद सरकार की हिस्सेदारी 22.60 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। हालांकि, प्रमोटर्स कंपनी का परिचालन नियंत्रण बनाए रखेंगे।

## आरबीआई अप्रैल में फिर कर सकता है रेट कट ब्याज दरें घटकर 6 प्रतिशत होंगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्च के मुताबिक, आरबीआई अप्रैल में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में एक बार फिर रेपो रेट में कटौती कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की कटौती कर इसे 6 प्रतिशत तक ला सकता है। इसकी वजह है मुद्रास्फीति (इन्फ्लेशन) का अगले कुछ महीनों तक 4 प्रतिशत से नीचे बने रहने का अनुमान और रुपये पर दबाव में कमी। बोफा का कहना है कि इन्फ्लेशन कंट्रोल में है और ग्रोथ धीमी है, जिससे आरबीआई के पास रेट कम करने की गुंजाइश बन रही है। हालांकि, 2 अप्रैल से लागू होने वाले आयात शुल्क (टैरिफ) से थोड़ी अनिश्चितता हो सकती है, लेकिन इसका एमपीसी के फैसले पर बड़ा असर नहीं होगा। बोफा को उम्मीद है कि 2025 के अंत तक रेपो रेट 5.5 प्रतिशत तक आ सकता है, यानी इस साल कुल 1 प्रतिशत (100 आधार अंक) की कटौती होगी। आरबीआई ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत का अनुमान लगाया है, लेकिन बोफा इसे थोड़ा ऊंचा मानता है और 6.5 प्रतिशत की संभावना जताता है। इन्फ्लेशन के मामले में आरबीआई का एफवाई25 का लक्ष्य 4.4 प्रतिशत है, लेकिन बोफा का मानना है कि यह 3.8-4 प्रतिशत के बीच रह सकता है। तेल की कीमतों में गिरावट, रुपये की स्थिरता और कमजोर मांग की वजह से एफवाई26 में भी इन्फ्लेशन 4 प्रतिशत के आसपास रह सकता है।

## मार्च में सोना 4250 रुपये हुआ महंगा, चांदी की कीमतों में 7454 रुपये की उछाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शादियों के सीजन से पहले मार्च में सोने-चांदी ने खूब उड़ान भरी। फरवरी में दोनों धातुओं के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद मार्च में भी दोनों ने खूब गदर काटा। इस महीने सोना 4250 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ तो चांदी की कीमतों में 7454 रुपये प्रति किलो का उछाल आया। शुक्रवार 28 मार्च को सोना नए शिखर 89306 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया और चांदी 100934 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई को टच की। आज ईद की छुट्टी की वजह से आईबीजेए गोल्ड-सिल्वर के रेट जारी नहीं करेगा और एमसीएक्स भी बंद है। इस साल अब तक सोना 13566 रुपये और चांदी 14917 रुपये उछल चुकी है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोने का ग्लोबल प्राइस 3,100 डॉलर तक पहुंच सकता है। जबकि, भारत में 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने की उम्मीद है। एमके ग्लोबल की रिया सिंह के मुताबिक, सोना अभी 2,975 से 3,035 के बीच ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन अगर ट्रेड वॉर की आग भड़की तो 3,150 डॉलर तक छलांग लगा सकता है। भारत में रुपया कमजोर होगा तो घरेलू कीमतें और उछलेंगी।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर बढ़ाई गई उज्जैन विक्रम व्यापार मेले की अवधि

## गैर परिवहन मोटरयान कर में छूट की सीमा अब 9 अप्रैल तक

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विक्रम व्यापार मेले की अवधि आगामी 9 अप्रैल तक बढ़ाई गई है। इसी अनुक्रम में के परिवहन सचिव श्री मनीष सिंह ने आदेश जारी किए है। मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये, राज्य सरकार द्वारा परिवहन विभाग की अधिसूचना दिनांक 14 जनवरी, 2025 के माध्यम से ऐसे सभी गैर-परिवहन यानों (मोटर साइकिल, मोटर कार, निजी

उपयोग के लिये ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन यानों के वर्ष 2024-25 में उज्जैन विक्रम व्यापार मेला की मेला अवधि के दौरान विक्रय पर उनके देय जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट मेला अवधि 30 मार्च 2025 तक प्रदान की गई थी। अधिनियम में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में करते हुये, राज्य सरकार ने अधिसूचना में विहित की गई शर्तों के अध्यधीन रहते हुए अधिसूचना के माध्यम से दी गई छूट की समय-सीमा 9 अप्रैल 2025 तक के लिये, वर्तमान में जारी विक्रम व्यापार मेले की मेला अवधि तक के लिए वृद्धि की गई है।

## चिल्लरों के भाव बिकने वाली कंपनी दे रही है 1 शेयर पर 1 शेयर बोनस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पेनी स्टॉक ने एक बार फिर से बोनस शेयर देने का फैसला किया है। इस बोनस इश्यू के लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते है। कबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने बताया है कि एक शेयर पर एक शेयर योग्य निवेशकों को दे रही है। आइए डीटेल्स में जानते हैं इस स्टॉक के विषय में कबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर बोनस देने का फैसला किया है। कंपनी ने एक्सचेंज को बताया है कि 4 अप्रैल को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर रहेंगे उन्हें हर एक शेयर पर एक शेयर फ्री मिलेगा।

# एक मरीज की हालत देखकर सिविल सेवा में आने का विचार आया

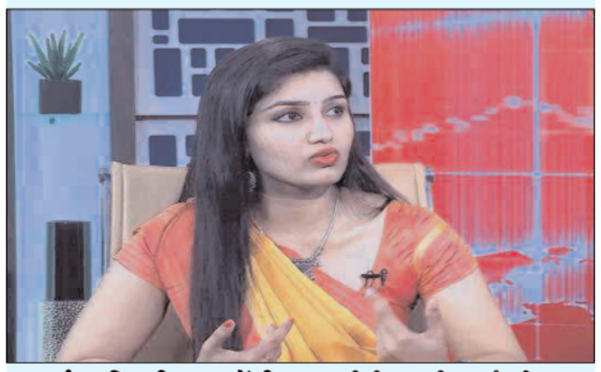

**नई दिल्ली, एजेंसी।** हॉस्पिटल में काम करते हुए रेनू ने गरीबी, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और सामाजिक असमानता जैसे मामलों को करीब से देखा। एक दिन उनकी मुलाकात एक मरीज से हुई, जिसकी हालत देखकर उन्हें लगा कि सिर्फ इलाज से लोगों की स्वास्थ्य समस्याएं हल नहीं होंगी, उसके लिए सामाजिक स्तर पर बदलाव जरूरी है। उन्हें लगा कि प्रशासनिक सेवा में जाकर ही वे बड़े पैमाने पर बदलाव ला सकती हैं।

उन्होंने डॉक्टर की नौकरी करते हुए यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की और 2014 में पहले ही प्रयास में दूसरी रैंक के साथ यूपीएससी परीक्षा पास की। अपनी शुरुआती पढ़ाई केरल के कोट्टायम के सेंट टेरेसा हायर सेकेंडरी स्कूल से पूरी की। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, कोट्टायम के ही सरकारी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल की पढ़ाई की। साल 2013 में उन्होंने मेडिकल प्रैक्टिस के साथ-साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी। 2014 में रेनू राज यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में शामिल हुईं। अपने पहले ही अटेंप्ट में उन्होंने दूसरी रैंक हासिल की। उनकी दोनों बहनें और उनके पति डॉक्टर है। 2015 बैच की आईएएस अधिकारी डॉ रेनू राज युवाओं की प्रेरणा हैं।

सिविल सेवा में 10 साल पूरे होने के बाद भी वे यूपीएससी परीक्षा देने वालों के लिए रोल मॉडल की तरह है। सामान्य परिवार की डॉ रेनू राज ने पहले एमबीबीएस की पढ़ाई की। कुछ समय बतौर डॉक्टर काम किया और फिर यूपीएससी परीक्षा में सफल होकर आईएएस अफसर बन गईं। केरल के कोट्टायम जिले की रहने वाली रेनू का जन्म साधारण परिवार में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। लेकिन, माता-पिता ने उनकी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया। उनके पिता राजकुमारन नायर बस कंडक्टर के पद से रिटायर हुए और मां लता एक होममेकर हैं। रेनू बचपन से ही मेधावी छात्रा थीं और डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करनी चाहती थीं और इसीलिए उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई की।

आईएएस अफसर बनने के बाद रेनू राज ने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उन्होंने हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों के लिए काम करने को प्राथमिकता दी। वे केरल सरकार के अनुसूचित जनजाति विकास विभाग की निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वे आदिवासी पुनर्वास और विकास मिशन की विशेष अधिकारी भी हैं। इससे पहले वे अलापुझा, वायनाड और एर्नाकुलम जिलों की कलेक्टर रहीं। अप्रैल 2022 में डॉ. रेनू राज ने आईएएस अधिकारी श्रीराम वेंकटरमण से शादी की, जो केरल मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन में एमडी हैं। इस जोड़े ने अपनी शादी को सादगी से मनाया और अपने प्रियजनों के बीच सभी रस्में पूरी कीं। श्रीराम वेंकटरमन ने 2012 में यूपीएससी परीक्षा में भी दूसरी रैंक हासिल की थी।

# छतरपुर में 1.81 करोड़ की शराब पर चला आबकारी विभाग का रोड रोलर, एक्सपायरी बियर और शराब की नष्ट

**छतरपुर।** रविवार की दोपहर में आबकारी विभाग द्वारा शहर के महोबा रोड पर स्थित वियर हाउस के बाहर एक्सपायर हो चुकी 1.81 करोड़ कीमत की बियर और शराब का विनष्टीकरण कराया गया। शराब की बोतलों को मैदान में बिछाने के बाद उसके ऊपर रोड रोलर चलाया गया। जिला आबकारी अधिकारी बी.आर. वैद्य ने बताया कि शासन के नियमानुसार समय-समय पर विभाग द्वारा एक्सपायर शराब का विनष्टीकरण कराया जाता है। आज लगभग 4800 पेटी शराब को नष्ट कराया गया है, जिसमें बियर सहित अन्य ब्रांड की शराब शामिल है। उन्होंने बताया कि नष्ट कराई गई बियर पिछले 6 माह से रखी हुई थी जिसका विक्रय नहीं हो सका। चूंकि बियर को 6 माह की अवधि के बाद सेवन के योग्य नहीं माना जाता, इसलिए इसे नष्ट करने का प्रावधान है। इसके अलावा अन्य ब्रांड की शराब भी एक्सपायर हो चुकी थी। विभाग ने संबंधित कंपनियों से संपर्क किया था। कुछ कंपनियों ने शराब की बोतलें वापिस मांगी थी जिनके लिए शराब की बोतलों को खाली कराया गया है, शेष शराब की बोतलों को मैदान में बिछाकर रोड रोलर से नष्ट करा दिया गया है।कार्रवाई के दौरान कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में एसडीएम अखिल राठौर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और विभागीय अमला मौजूद रहा।

## कर्ज चुकाने के लिए आईपीओ से पैसे जुटाएगी गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएमटी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टीएमटी स्टील बार बनाने वाली गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएमटी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर्स फिर से जमा किए हैं। इस आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को कम करने के लिए करेगी। झक्कास बार्स मजबूत स्टील होते हैं, जिनका इस्तेमाल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में ज्यादा होता है। कंपनी के पास कामधेनु लिमिटेड के साथ एक रिटेल लाइसेंस एग्रीमेंट भी है, जिसके तहत वह गुजरात में कामधेनु ब्रांड के नाम पर झक्कास बार्स बेच सकती है। मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक कंपनी ने 27 मार्च 2025 को ड्राफ्ट पेपर्स सेबी के पास जमा किए। इस ड्राफ्ट पेपर्स के मुताबिक, कंपनी का यह आईपीओ पूरी तरह से 1.5 करोड़ नए शेयरों का इश्यू होगा। इससे पहले, 27 सितंबर 2024 को कंपनी ने इसी साइज का आईपीओ प्लान किया था, लेकिन बाद में 23 अक्टूबर को उसने अपना आवेदन वापस ले लिया था। कंपनी अपने आईपीओ से मिले पैसे का क्या करने वाली है? इस सवाल का जवाब यह है कि गुजरात की यह कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसे में से 115 करोड़ रुपये अपने कर्ज चुकाने पर खर्च करेगी, बाकी पैसे जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए इस्तेमाल होंगे। दिसंबर 2024 तक कंपनी पर कुल 160.2 करोड़ रुपये का कर्ज था।

# मप्र के इस शहर में टैक्स भरने पर मिलेगी 100 प्रतिशत की छूट

**भोपाल।** नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के संपत्ति कर, जल प्रभार और अन्य करों का भुगतान 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से करने की अपील की है। यदि 31 मार्च तक यह भुगतान नहीं किया गया, तो 1 अप्रैल से करदाताओं को दोगुना शुल्क चुकाना पड़ेगा।

इसी के साथ, नगर निगम ने यह भी घोषणा की है कि 31 मार्च तक ऑनलाइन भुगतान पर 100 प्रतिशत तक की विशेष छूट प्रदान की जाएगी, जो एक शानदार मौका है बचत करने का। भोपाल नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं सबसे पहले, आप भोपाल नगर निगम की वेबसाइट www.bhopalmunicipal.com पर जाएं। संपत्ति कर भुगतान सेक्शन में जाएं- वेबसाइट के अंदर संपत्ति कर भुगतान के सेक्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपनी प्रॉपर्टी आईडी दर्ज करनी होगी।

**देय राशि की जांच करें:** अपनी प्रॉपर्टी आईडी दर्ज करने के बाद, आप आसानी से अपनी देय राशि की जांच कर सकते हैं। इसके बाद, आप डेबिट/क्रेडिट कार्ड, PI या नेट बैंकिंग के जरिए भुगतान कर सकते हैं। भुगतान पूरा होने के बाद, रसीद डाउनलोड करना न भूलें और उसे सुरक्षित रखें। यह भविष्य में आपके लिए उपयोगी हो सकती है। अगर आप ऑनलाइन भुगतान नहीं करना चाहते या नहीं कर पा रहे हैं, तो आप ऑफलाइन भी कर सकते हैं। इसके लिए भोपाल नगर निगम के सभी ज़ोन/वार्ड कार्यालय 31 मार्च तक खुले रहेंगे। आप किसी भी नजदीकी कार्यालय में जाकर भुगतान कर सकते हैं। सभी कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे।

**संपत्ति कर के साथ अन्य कर और शुल्क भी जमा करें:** ऑफलाइन भुगतान करते समय, आप संपत्ति कर के साथ-साथ अन्य सभी कर और शुल्क भी एक साथ जमा कर सकते हैं। 31 मार्च तक संपत्तिकर, जल प्रभार और अन्य शुल्कों के ऑनलाइन भुगतान पर 100 प्रतिशत तक की छूट मिलने से यह एक बेहतरीन अवसर है, जिससे आप अपने भुगतान पर बड़ी बचत कर सकते हैं। इसलिए, इस मौके का फायदा उठाएं और अपना भुगतान 31 मार्च तक जरूर करें, ताकि 1 अप्रैल से अतिरिक्त दंड से बच सकें।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898 RNI NO. MPHIN/2015/61965 ( सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)